संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 124
पृष्ठ 8
गुरूवार
22 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- फ्लाइट में भूलकर भी साथ नहीं ले...

विचार- भारत विरोधी चाल चल रहे...

खेल- कोहली की आलोचना के बाद मांजरेकर..

मुख्यमंत्री योगी बोले-

अंतिम व्यक्ति की आवाज को सदन तक पहुंचाने की प्रेरणा हमारी संसद है

लखनऊ,संवाददाता। यूपी का विजन डॉक्यूमेंट बनकर तैयार है। 500 जनप्रतिनिधियों के साथ 500 इंटलेक्चुअल्स ने इसे मिलकर बनाया है। इन लोगों ने ग्रास रूट पर 75 जिलों का सर्वे किया। 98 लाख सुझाव आए और फिर इसे तैयार किया। उन्होंने कहा– विधानसभा में सकारात्मक सोच से काम करेंगे तो परिणाम भी आएंगे। संवैधानिक संस्थाएं पारदर्शी और जवाबदेह बने और इसमें जनभागीदारी भी बढ़े। केवल संसद या विधानसभा को साल में 30 दिन नहीं चलना चाहिए बल्कि यह व्यवस्था पंचायतों में भी लागू होनी चाहिए। लगातार सदन में गतिरोध और व्यवधान हो रहा, यह उचित नहीं है। सदन का समय कीमती है, सदन चर्चा ओर संवाद के लिए है। हमारा संकल्प है कि सभी राजनीतिक दलों से बात कर गतिरोध को दूर करेंगे। गतिरोध और हंगामा सदन के बाहर करें। मुझे आशा है कि हम लोकतांत्रिक संस्थाओं के संरक्षक है, जनता हमारी ओर देखती है, इसलिए हम निष्पक्ष और जवाबदेह भी हो। सीएम योगी, तीन दिवसीय 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन में पहुंचे थे।24 राज्यों के 36 पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में पहुंचे थे। कांफ्रेंस के आखिरी दिन 6 संकल्प भी सर्वसम्मति से पास किए गए। इस दौरान स्पीकर ओम बिरला, उपसभापति हरिवंश, यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे। योगी ने कहा कि अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की आवाज भी इस विधायिका में उनके प्रतिनिधित्व के माध्यम से सुनी जाती है। वास्तव में न्याय कैसे प्राप्त होना है, इसी विधायिका के माध्यम से तय होता है। सरकार की योजनाएं समता मूलक समाज की स्थापना में योगदान दे सके, यही हमारी कोशिश हो। यहां सहमति और असहमति के बीच बेहतरीन संवाद देखने को मिलता है। यह हमारा सौभाग्य है कि हमारे देश में लोकतंत्र की सर्वोच्च व्यवस्था लागू है।

योगी ने कहा– लोकतंत्र की आधारभूत इकाई है हमारी विधायिका है। वास्तव में भारत के संविधान के संरक्षक के रूप में भी यह अपनी भूमिका का निर्माण करते हुए देश के अंदर न केवल विधायक कार्यों की रूपरेखा तैयार करती है बल्कि समग्र विकास की भी कार्य योजना तैयार करती है। इस मंच का उपयोग कैसे होना है, कैसे करना है और उसके लक्ष्य क्या है? यह संविधान के तीन शब्द भारत के लोकतंत्र की आस्था के रूप में काम करते हैं– न्याय समता और संप्रभुता। योगी ने कहा– मुझे पांच बार लोकसभा में जाने का अवसर मिला था। आपसी व्यवहार और कैसे नियम के अंतर्गत इन कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया जा सकता है देश के संसद के अंदर सीखा और जाना। प्रशिक्षण बेहद जरूरी है। मेरे विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना जी ने हमने बात किया कि प्रश्न काल में 20 सवाल लगते हैं लेकिन दो से तीन लोग ही अपनी बात रख सकते हैं जबकि संसद में 20 लोग बोलते हैं।

हमने संसद का उदाहरण लेकर इसमें सुधार किया इसका फायदा यह मिला कि मेरे यहां प्रश्न काल में 20 सवाल पूछे जा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा– देश के अंदर रंग रूप खानपान वेशभूषा अलग–अलग हो सकता है लेकिन उत्तर से लेकर दक्षिण और पूर्व से लेकर पश्चिम तक पूरे भारत की एक भाव और एक आस्था होती है। इस आस्था को जोड़ने का सबसे बड़ा माध्यम हमारी संसद है। हमारे पास दुनिया का सबसे पुराना लोकतंत्र। प्रधानमंत्री भी बार–बार कहते हैं कि भारत दुनिया की लोकतंत्र की जननी भी है।

एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह की पाकिस्तान को चेतावनी-

वायु शक्ति ने किया कमाल, घुटने टेकने पर किया मजबूर

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंटर फॉर एयरोस्पेस पावर एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज (ब्।ै) द्वारा दिल्ली में आयोजित 22वें सुब्रतो मुखर्जी सेमिनार को संबोधित करते हुए, उन्होंने त्वरित और निर्णायक परिणाम देने के भारतीय वायु सेना के सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड को उजागर किया, जिसमें पाकिस्तान में कुछ ही घंटों में कई लक्ष्यों पर हमला करने की उसकी क्षमता का उल्लेख किया गया। एयर चीफ मार्शल ने कहा सैन्य शक्ति का वह हिस्सा जो सबसे उपयोगी साबित हुआ है, या जिसने अपेक्षित परिणाम दिए हैं, वह है वायु शक्ति। यदि हम एक शक्तिशाली सेना बनना चाहते हैं, तो हमें सैन्य शक्ति के इस हिस्से पर ध्यान केंद्रित करना बहुत महत्वपूर्ण है। चाहे वह संघर्ष क्षेत्र से लोगों को निकालना हो, चाहे आतंकवादी ढांचे और उनके अपराधियों को ध्वस्त करना हो, या चाहे कुछ ही घंटों में पाकिस्तान में ठिकानों पर हमला करके यह संदेश देना हो कि बहुत हो गया और उन्हें घुटने टेकने पर मजबूर करना हो। यह वायु शक्ति ही थी जिसने कमाल किया, और इसे याद रखना होगा। गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर सैन्य सटीकता और रणनीतिक संघर्ष समाधान का एक महत्वपूर्ण उदाहरण था। 7 मई, 2025 को शुरू किए गए इस ऑपरेशन का उद्देश्य 22 अप्रैल, 2025 को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान–नियंत्रित क्षेत्रों में आतंकी ढांचे को नष्ट करना था। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के 12–13 लड़ाकू विमानों को नष्ट कर दिया, जिनमें जमीन पर चार से पांच एफ–16 और हवा में पांच एफ–16 और जेएफ–17 के साथ–साथ दो जासूसी विमान शामिल थे। इससे पहले, राष्ट्रीय राजधानी में 93वें वायु सेना दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए वायु सेना प्रमुख (सीएएस) ने कहा कि पांच पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को, जो एफ–16 या पाकिस्तान के श्गौरवश और उसकी वायु सेना की रीढ़ माने जाने वाले चीनी जेएफ–17 हो सकते हैं, लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एलआरएसएएम) एस–400 ट्रायम्फ ष्सुदर्शन चक्रष प्रणाली का उपयोग करके मार गिराया गया। हैंगरों में रखरखाव के लिए रखे गए चार से पांच अन्य एफ–16 विमान भी भारतीय वायु सेना की गोलाबारी में नष्ट हो गए।

कैबिनेट फैसला: अटल पेंशन योजना 2030-31 तक बढ़ी

नई दिल्ली,एजेंसी। आर्थिक मोर्चे पर मोदी सरकार ने बुधवार को दो बड़े और दूरगामी फैसले लिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में जहां एक ओर आम आदमी की सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अटल पेंशन योजना (एपीवाई) को 2030–31 तक विस्तार दिया गया है, वहीं दूसरी ओर रोजगार सृजन और लघु उद्योगों (एमएसएमई) को बढ़ावा देने के लिए भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) में 5,000 करोड़ रुपये की पूंजी डालने को मंजूरी दी गई है। ये फैसले असंगठित क्षेत्र के कामगारों के भविष्य को सुरक्षित करने और छोटे उद्योगों को सस्ती दरों पर ऋण मुहैया कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

कैबिनेट ने सरकार की प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजना, अटल पेंशन योजना को वित्त वर्ष 2030–31 तक जारी रखने की मंजूरी दी है। इस विस्तार के साथ ही योजना के प्रचार, विकासात्मक गतिविधियों और गैप फंडिंग के लिए वित्तीय सहायता को भी स्वीकृति मिली है।

- योजना का दायरा– 9 मई 2015 को शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को बुढ़ापे में आय की सुरक्षा प्रदान करना है।
- सफलता के आंकड़े– 19 जनवरी 2026 तक इस योजना के तहत 8.66 करोड़ से अधिक लोग जुड़ चुके हैं।
- पेंशन लाभ– इस योजना के तहत, अंशदान के आधार पर 60 वर्ष की आयु के बाद 1,000 रुपये से 5,000 रुपये प्रति माह की गारंटीड न्यूनतम पेंशन मिलती है।

सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर पर सुनवाई चुनाव आयोग की दलील-

यह नागरिकता की जांच नहीं, मतदाता सूची सुधार की प्रक्रिया

नई दिल्ली,एजेंसी। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। इस दौरान चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि मतदाताओं की नागरिकता की जांच केवल चुनावी उद्देश्य से की जा रही है, न कि किसी को डिपोर्ट करने के लिए। आयोग ने इसे 'लिबरल, सॉफ्ट–टच' प्रक्रिया बताया, जिसमें पुलिस की कोई भूमिका नहीं है। देश के अलग–अलग राज्यों में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहण पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। इसी बीच अब इस मामले में चुनाव आयोग (ईसीआई) ने सर्वोच्च न्यायालय में अपनी दलील दी है। आयोग ने साफ किया है कि मतदाताओं की नागरिकता की जांच सिर्फ चुनावी उद्देश्य से की जा रही है, न कि किसी गैर–नागरिक को देश से बाहर निकालने (डिपोर्ट) के लिए। यह मामला मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्या कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष चल रहा है।

सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कोर्ट को बताया कि एसआईआर प्रक्रिया कोई कठोर या पुलिस–जांच जैसी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह एक 'लिबरल, सॉफ्ट–टच' तरीका है। उन्होंने कहा कि इसमें पुलिस की कोई भूमिका नहीं है। यह प्रक्रिया बिहार में हो चुकी है और कुछ अन्य राज्यों में जारी है। उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य केवल सही और वैध मतदाताओं को सूची में शामिल करना है।

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि मतदाताओं की नागरिकता की जांच केवल चुनावी उद्देश्य से की जा रही है, इसका मकसद किसी को देश से बाहर निकालना नहीं है। आयोग ने कहा कि विशेष गहण पुनरीक्षण (एसआईआर) कोई सख्त या पुलिस–जांच जैसी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह एक लिबरल और सरल तरीका है। आयोग ने स्पष्ट किया कि मौजूदा एसआईआर प्रक्रिया में पुलिस शामिल नहीं है, पूरी जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है। 2002 और पिछली मतदाता सूचियों में नाम होना मजबूत सबूत माना जा रहा है और ऐसे मामलों में विशेष सावधानी बरती जा रही है। आयोग ने कहा कि 1995 के लाल बाबू हुसैन मामले की परिस्थितियां अलग थीं, इसलिए उस फैसले को सीधे मौजूदा एसआईआर पर लागू नहीं किया जा सकता। चुनाव आयोग के अनुसार, वोट का अधिकार सिर्फ उम्र से नहीं जुड़ा है, बल्कि नागरिकता, पंजीकरण और कानून के तहत पात्रता भी जरूरी है। आयोग ने कहा कि उसे केवल मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता जांचने का अधिकार है, न कि किसी अन्य कानूनी कार्रवाई के लिए। आयोग ने दलील दी कि एसआईआर का उद्देश्य किसी को जानबूझकर मताधिकार से वंचित करना नहीं, बल्कि सही मतदाता सूची तैयार करना है। आयोग ने राजनीतिक दलों से कहा कि वे एसआईआर का विरोध करने के बजाय लोगों को नाम दर्ज कराने में मदद करें। कोर्ट ने कहा कि लोकतंत्र के लिए मतदाता सहभागिता बढ़ाना राजनीतिक दलों की बड़ी जिम्मेदारी है और इस दिशा में सभी को साथ मिलकर काम करना चाहिए।बता दें कि याचिकाकर्ताओं ने 1995 के लाल बाबू हुसैन केस का हवाला दिया था, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर किसी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में है तो उसे नागरिक माना जाएगा।

गृह मंत्री अमित शाह ने किया कल्याण पत्रिका के शताब्दी अंक का विमोचन, सीएम धामी भी हुए शामिल

ऋषिकेश,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज स्वर्गाश्रम जौंक स्थित गीताभवन (नंबर सात) में गीताप्रेस गोरखपुर की सुप्रसिद्ध कल्याण पत्रिका के शताब्दी महोत्सव में पहुंचे। वेद निकेतन हेलीपैड पर उनका स्वागत किया गया। इसके बाद वह गीताभवन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कल्याण पत्रिका के शताब्दी अंक का विमोचन किया।बताया गया कि अब तक कल्याण पत्रिका की 17 करोड़ पचास लाख प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं।इसके साथ ही आरोग्य अंक का भी विमोचन किया गया। आरोग्य अंक की दो दो लाख 22 प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं। अब यहां करीब दो घंटे

का समय व्यतीत करने के बाद वह बैराज रोड होते हुए हरिद्वार में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना होंगे। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केंद्र सरकार आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। आज देश में आतंकवाद और नक्सलवाद जैसी विकटकारी शक्तियां सिर उठाने का साहस नहीं कर पा रही हैं। आपके अथक प्रयासों का प्रतिफल है कि आज देश सहकारिता के क्षेत्र में भी अद्वितीय प्रगति कर रहा है जिसका समग्र विकास की दिशा में एक मजबूत संस्था का ढांचा तैयार हो रहा है। गीता प्रेस पिछले सौ वर्षों से हमारी सनातन संस्कृति, धर्मग्रंथों और भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण और संवर्धन में अतुलनीय योगदान देती आ रही है।

प्राचीन भारत में जब विदेशी शक्तियां वैचारिक भ्रम उत्पन्न कर रही थी, समाज को दिग्भ्रमित करने का काम कर रही थी, तब गीता प्रेस परिवार ने श्रीमद्भगवद्गीता, श्रीरामचरित मानस, उपनिषदों, पुराणों आदि का हमारे महान सनातनी ग्रंथों का जो सूक्ष्म मूल्य में शुद्ध और प्रमाणिक प्रकाशन कर भारतीय जनमानस को जागृत करने का ऐतिहासिक कार्य किया है। गीता प्रेस ने 1923 में अपनी स्थापना से अब तक एक सौ एक करोड़ से अधिक धार्मिक पुस्तकों का प्रकाशन कर हमारी संस्कृति और ज्ञान परंपरा को न केवल संजोकर रखा है।

आशा कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन से डरी बंगाल की ममता सरकार

कोलकाता,नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल सरकार राज्य में आशा कार्यकर्ताओं के विरोध को कुचलने की कोशिश कर रही है। इसके तहत बुधवार को बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। साथ ही राज्य के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की जा रही है। दरअसल आशा कार्यकर्ता बुधवार को राज्य के स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय स्वास्थ्य भवन तक अपनी मांगों को लेकर विरोध मार्च निकालने की तैयारी कर रही हैं। इसे रोकने के लिए राज्य सरकार ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया है। आशा कार्यकर्ताओं ने राज्य में बीती 23 दिसंबर से ही काम रोका हुआ है।

एसआईआर अभियान को गति देने पर जोर

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी की गंगापार स्तरीय समीक्षा बैठक मंगलवार को सेमरी गांव में हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और एसआईआर प्रभारी पूर्व मंत्री इंद्रजीत सरोज ने कहा

कि समाजवादी पार्टी की विचारधारा से जनता को जोड़ने का अभियान तेज करें। अध्यक्षता सपा गंगापार अध्यक्ष अनिल यादव ने की। मौके पर हंडिया विधायक हकीम लाल बिंद, सोरांव विधायक गीता पासी, प्रतापपुर की विजमा यादव, पूर्व विधायक मुज्जबा सिद्दीकी, अंसार पहलवान, वकार अहमद, धर्मराज पटेल, रंगी लाल यादव आदि मौजूद रहे।

युवती शादी की तारीख तय होते ही युवक संग भागी

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के एक गांव में शादी की तारीख तय होने पर युवती युवक के साथ फरार हो गई। युवती के पिता ने थाना उतरांव में आरोपी युवक के खिलाफ तहरीर दी है। इधर, युवती की ओर से सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल किया गया है। वायरल वीडियो में युवती ने स्पष्ट कहा है कि वह अपनी मर्जी से गई है। वह युवक के साथ ही रहना चाहती है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कब्रिस्तान और बंजर भूमि पर अवैध कब्जा बरकरार

प्रयागराज। कस्बा स्थित कब्रिस्तान और उसके पास बंजर की भूमि पर हुआ अतिक्रमण होने से लोगों में आक्रोश है। राजस्व अभिलेखों में वार्ड नंबर 3 के कब्रिस्तान और बंजर की आरक्षित भूमि के आंशिक भाग पर कुछ लोगों द्वारा निर्माण करके कब्जा कर लिया गया है। एक सप्ताह पहले कस्बावासियों ने अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत को ज्ञापन सौंपकर भूमि को कब्जा मुक्त कराने की मांग की गई थी। अधिशासी अधिकारी

ने तीन दिन में स्वयं कब्जा हटा लेने का फरमान जारी करते हुए नोटिस चस्पा कराया था। मंगलवार को कब्जा जस का तस बरकरार रहने से नाराज लोग नगर पंचायत कार्यालय में धरने पर बैठ गए। धरना देने की जानकारी मिलने पर एसडीएम रावेंद्रकुमार सिंह मौके पर पहुंच गए। एसडीएम ने कहा कि ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया पूरी करने के बाद जल्द ही कब्रिस्तान और बंजर भूमि को कब्जा मुक्त करा दिया जाएगा। उनके आश्वासन पर लोगों ने धरना समाप्त किया। इस मौके पर का मो. कादिर, निसार अहमद, अबरार अहमद, लईक अहमद, मो. बाबर और मो. इशहाक आदि मौजूद रहे।

आवास दिलाने का झांसा देकर नकदी व जेवरात ठगे

प्रयागराज। गढ़वा कला गांव में दो लोगों ने सरकारी आवास दिलाने का झांसा देकर एक ग्रामीण से नकदी और जेवरात ठग लिए। पीड़ित भैरव प्रसाद ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे बाइक सवार दो युवक उनसे मिले और आवास मिलने की बात कहकर घर ले गए। वहां 25 हजार रुपये नकद और करीब तीन लाख रुपये के सोने–चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। थाना प्रभारी कुलदीप शर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार जांच किया जा रहा है।

बम फोड़कर दहशत फैलाने वाले बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। बम फोड़कर दहशत फैलाने वाले बदमाशों के खिलाफ पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। सरायइनायत थाना क्षेत्र के महरौड़ा गांव निवासी राम बहादुर के घर पर बीते 15 जनवरी को बाइक सवार बदमाशों ने दो बम फोड़कर दहशत फैला दी थी। राम बहादुर का आरोप है कि उनकी शादी जब से कांदी गांव निवासिनी रीनू से हुई है, उसके बाद से ही दो बार उनके घर पर हमला हो चुका है। तहरीर पर पुलिस ने पत्नी रीनू, मेवा केवट, व उतरांव थाना क्षेत्र के इनायतपट्टी गांव निवासी दिनेश भारतीया और एक अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

विवाहिता ने किया आत्महत्या का प्रयास, झुलसी

प्रयागराज। राजपुर गांव में दंपती के विवाद में विवाहिता ने आत्महत्या का प्रयास करते हुए खुद को आग लगा दी। इससे वह झुलस गई। उसे सीएचसी कोरांव के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। राजपुर गांव निवासी सुनील का अपनी पत्नी रागिनी (26) से मंगलवार दोपहर किसी बात को लेकर विवाद हुआ। जिसके बाद उसने खुद को आग के हवाले कर दिया।

माघ मेला में परांकुश वैष्णव सेवा आश्रम के शिविर में लगी भीषण आग, तीन लाख कैश जले

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र के सेक्टर छह स्थित स्थित श्री परांकुश वैष्णव सेवा आश्रम के शिविर में बुधवार को आग लग गई। आग लगते ही शिविर में अफरा–तफरी मच गई। घटना के समय शिविर में मौजूद सभी लोग सो रहे थे।

माघ मेला क्षेत्र के सेक्टर छह स्थित स्थित श्री परांकुश वैष्णव सेवा आश्रम के शिविर में बुधवार को आग लग गई। आग लगते ही शिविर में अफरा–तफरी मच गई। घटना के समय शिविर में मौजूद सभी लोग सो रहे थे। अचानक उठी आग की लपटों को देख लोगों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। आग से राशन, कपड़े और 3 लाख रुपए नकदी जल गए।

वायुसेना का ट्रेनी विमान क्रैश, तालाब में गिरा, दोनों पायलट सुरक्षित

प्रयागराज। प्रयागराज के सिविल लाइंस में केपी कॉलेज के पास ट्रेनी विमान गिर गया। आसमान में एयरक्रॉफ्ट के लड़खड़ाते ही दोनों पायलट पैराशूट से नीचे कूद गए। स्थानीय लोग भी तालाब में कूद गए पायलटों को कंधे के बैठाकर बाहर ले गए।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज शहर के सिविल लाइंस क्षेत्र में केपी कॉलेज के पास एक बड़ा हादसा होते–होते टल गया। मेडिकल चौराहे के निकट स्थित एक तालाब में वायुसेना का एक ट्रेनी विमान एम 116 के गिर गया।

एयरक्रॉफ्ट के लड़खड़ाते ही दोनों पायलट जेके पांडेय और प्रवीन अग्रवाल पैराशूट के सहारे नीचे तालाब में कूद गए। यह देख स्थानीय लोग भी तालाब में कूद पड़े। दोनों पायलटों को सुरक्षित बाहर निकाला। बाहर निकाले गए पायलट सेना की वर्दी में थे। कुछ ही देर में सेना के कई और हेलीकॉप्टर बचाव के लिए पहुंच गए। एयरफोर्स ने तालाब में ट्रेनी विमान गिरने की पुष्टि की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह ट्रेनी विमान केपी कॉलेज के पास एक तालाब में जा गिरा। विमान से तेज आवाज आने के बाद आसपास के क्षेत्रों में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। तालाब में भारी मात्रा में जलकुंभ (पानी में उगने वाली वनस्पति) मौजूद था, जिसने बचाव कार्य को थोड़ा चुनौतीपूर्ण बना दिया।

स्थानीय नागरिकों ने बिना किसी देरी के बचाव कार्य शुरू किया और विमान में फंसे दोनों पायलटों को सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता प्राप्त की। दोनों पायलटों को किसी भी गंभीर चोट का सामना नहीं करना पड़ा है, जो राहत की बात है।

घटना की सूचना मिलते ही सेना के अधिकारी बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। प्रशासनिक अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। डीसीपी मनीष कुमार शांडिल्य मौके पर पहुंच गए हैं।

पायलटों ने पैराशूट से छलांग लगाकर बचाई जान

वायु सेना का टू–सीटर माइक्रोलाइट एयरक्रॉफ्ट एम 116 अनियंत्रित होकर तालाब के बीचों–बीच गिरा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार संगम की ओर से आ रहा यह विमान अचानक आसमान में लड़खड़ाने लगा। खतरे को भांपते हुए दोनों पायलट विमान के गिरने से ठीक पहले पैराशूट की मदद से बाहर निकल गए।

तालाब में विमान गिरते ही जोरदार आवाज तो आई लेकिन पानी होने के कारण विमान में आग नहीं लगी। आसपास मौजूद स्थानीय युवाओं ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए तुरंत तालाब में छलांग लगा दी और पानी में गिरे दोनों पायलटों को सुरक्षित किनारे तक पहुंचाया।

घटना की जानकारी मिलते ही सेना और पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पायलटों को इलाज के लिए एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया है। सेना की टीम एयरक्राफ्ट को बाहर निकालने और हादसे के तकनीकी कारणों की जांच में जुटी है।

डीसीपी नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि सिविल लाइंस में केपी ग्राउंड के पीछे टू सीटर माइक्रोलाइट एयरक्रॉफ्ट गिरने की सूचना मिली थी। यह वायु सेना का एयरक्रॉफ्ट है जो संगम की ओर से लौट रहा था। दोनों पायलट जेके पांडेय और प्रवीन अग्रवाल सुरक्षित हैं। स्थानीय लोगों ने बचाव में अहम भूमिका निभाई है। मौके पर भारी फोर्स और फायर ब्रिगेड की टीम मौजूद है। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है।

एडीआरएफ और एसडीआरफ की टीम पहुंची

एयरक्रॉफ्ट क्रैश होने की सूचना मिलने केंद्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के जवान पहुंच गए। हालांकि उसके पहले ही सेना के जवान मौके पर पहुंच गए थे। एयरक्रॉफ्ट में फंसे पायलटों को सकुशल बाहर निकालने वाले स्थानीय निवासी प्रियांशु और अजीत की सेना के अधिकारियों ने तारीफ की। प्रियांशु और अजीत ने बताया कि तालाब में कमर के ऊपर तक पानी था। तेज आवाज के साथ जब ट्रेनी विमान गिरा तो वह दोनों तालाब के पास ही मौजूद थे। उन्होंने तुरंत तालाब में छलांग लगा दी और पायलटों को बचाया।

पायलट की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

जिस जगह पर माइक्रोलाइट एयरक्रॉफ्ट गिरा है वह केपी कॉलेज और रोडवेज बस स्टेशन के बीच का स्थान है। पायलटों ने काफी सूझबूझ का परिचय देते हुए बड़ा हादसा टाल दिया। जिस समय हादसा हुआ उस समय केपी कॉलेज में सैकड़ों बच्चे मौजूद थे और विद्या वाहिनी बस स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ थी।

भारतीय वायुसेना ने जारी किया आधिकारिक बयान

भारतीय वायु सेना का माइक्रोलाइट विमान 21 जनवरी 2026 को दोपहर 12रू15 बजे प्रयागराज के पास बमरौली वायु सेना स्टेशन से नियमित उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी का शिकार हो गया।

विमान को निर्जन क्षेत्र में सुरक्षित रूप से आपातकालीन लैंडिंग कराई गई, जिससे नागरिक जीवन या संपत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ। विमान में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। भारतीय वायु सेना ने कारण का पता लगाने के लिए एक जांच समिति गठित करने का आदेश दिया है।

बाईपास पर सन्नाटे में बस से उतरने को मजबूर यात्री

प्रयागराज। परिवहन निगम की बसों द्वारा मंसूराबाद बाजार के बाहर से बाईपास होते हुए निकल जाने के कारण यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

रात के समय बसें बाजार में प्रवेश न कर सीधे बाईपास पर यात्रियों को उतार देती हैं, जहांअंधेरा और सन्नाटा पसरा रहता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बाईपास पर न तो पर्याप्त स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था है और न ही सुरक्षा के कोई इंतजाम। खासकर महिलाएं, बुजुर्ग और अकेले यात्रा करने वाले यात्री खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं।

यात्रियों का आरोप है कि उन्होंने कई बार परिवहन निगम के अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन से इसकी शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। बस चालकों का कहना है कि उन्हें उच्चाधिकारियों के निर्देश हैं कि वे बाईपास से ही बस निकालें, जिससे समय और ईंधन की बचत होती है।

लखनऊ से इलाज करा कर वापस घर आ रहे मेरे 75 वर्षीय बुजुर्ग पिता को गत दिनों परिचालक ने रात में बाईपास पर उतार दिया था। जबकि मंसूराबाद में प्रयाग डिपो की बसों का ठहराव है। – तीरथ लाल केसरवानी, क्षेत्र पंचायत सदस्य

मंसूराबाद बाईपास पर हाईमास्ट लाइट की स्थापना की गई थी, लेकिन चोरी हो जाने से अंधेरा सबसे बड़ी मुसीबत है। इसलिए वहां पर पिकेट ड्यूटी जरूरी है। –राजेश शुक्ल

बाजार में बसों का ठहराव हमेशा होता रहा। जब से बाईपास बना है सारी बसें बाहर से जाती हैं। इससे सबसे ज्यादा कारोबारियों को लूट का डर रहता है।–बलराम सोनी

परिवहन निगम में क्षेत्रीय प्रबंधक से बात कर समस्या का जल्द निस्तारण कराया जाएगा। किसी कारोबारी या यात्री को अनावश्यक परेशानी न होना पड़े, इसके लिए सावधानी बहुत जरूरी है।– गुरु प्रसाद मौर्य, विधायक

मुआवजा की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

प्रयागराज। मऊआइमा में रेलवे ओवर ब्रिज के निर्माण की सुगबुगाहट के बाद इसकी जद में आने वाले लोगों को ध्वस्तीकरण का डर सताने लगा है। प्रभावित लोगों ने मंगलवार को मुआवजा की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। मऊआइमा में रेलवे व सेतु निगम विभाग की ओर से 850 मीटर लंबा ओवर ब्रिज बनाने के

लिए नापजोख कर ली गई है। ओवरब्रिज के निर्माण से लोगों को जाम से निजात मिलने की उम्मीद है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार सड़क के मध्य से दोनों तरफ 10–10 मीटर भूमि अधिग्रहण कर निर्माण कार्य कराया जाएगा। इसकी जद में आने वाले परिवारों ने मंगलवार को प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। इस दौरान दीपक मिश्रा, आलोक मिश्रा, हनुमान जायसवाल, लाल बहादुर पटेल, बंटी जायसवाल, मक्खन जायसवाल, विजय जायसवाल और मनोज कुमार साहू आदि शामिल रहे।

जनसंख्या वृद्धि पर ध्यान न देने पर इस्लामिक राष्ट्र बन जाएगा देश: डॉ. प्रवीण

प्रयागराज। बांग्लादेश में हिंदुओं की नृशंस हत्या की जा रही है। वहां की सरकार को हिंदुओं की रक्षा करनी चाहिए। भारत सरकार बांग्लादेश की सरकार पर पर दबाव बनाकर हिंदुओं की रक्षा करे। यह बातें अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया ने मंगलवार को पीडीए कॉलोनी में संगठन के जिलाध्यक्ष प्रेम शंकर सिंह के यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि समय रहते अगर जनसंख्या वृद्धि पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह देश इस्लामिक राष्ट्र बन जाएगा। प्रत्येक हिंदू को कम से कम तीन बच्चे जरूर पैदा करने चाहिए। इसीलिए अब नया नारा दिया गया है तीन बच्चे, हिंदू सच्चे ।

उन्होंने कहा कि हिंदू समाज संगठित रहेगा, तभी देश सुरक्षित रहेगा। भारत में हिंदुओं का बहुमत बना कर रखना ही हमारा संकल्प है। इस मौके पर डॉ. आरपी पांडेय, कात्यायनी प्रसाद शुक्ला, ओम केशरी, गंगा प्रसाद, अरुण कुमार सिंह, धनुष सिंह, संजय, बीपी सिंह और राजा पांडेय आदि मौजूद रहे।

युवक पर जानलेवा हमला, एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। महर्षि चौराहे के पास बीते 16 जनवरी को एक युवक पर जानलेवा हमले में पुलिस ने दो भाइयों सहित उनके साथियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पीड़िता धनवंती देवी की ओर से दर्ज एफआईआर में बताया गया कि वह माघ मेले में जीवन व्यापन के लिए दुकान लगाए हुए है। बीते 16 जनवरी को उसके भाई का बेटा दीपक गोस्वामी व रोशन दुकान से घर आए थे। इस दौरान नशे में धुत आरोपी मोनू केसरवानी, उसका भाई अवलेश निवासी कमता नगर छतनाग झूंसी अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और दीपक पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में गंभीर घायल दीपक का एसआरएन अस्पताल में इलाज चल रहा है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मोनू, अवलेश व उसके अज्ञात साथियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

हाईवे पर आलू लदा ट्रक पलटा, चालक घायल

प्रयागराज। नवाबगंज थाना क्षेत्र के हंडिया–कोखराज हाईवे पर शहाबपुर गांव के सामने आलू लदा ट्रक अनियंत्रित होकर अंडरपास के पास पलट गया। हादसे में ट्रक चालक घायल हो गया। उसे सीएचसी कौड़िहार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। ट्रक चालक सुरेंद्र कुमार देवनहरी, सहसों जनपद प्रयागराज ट्रक पर आलू लादकर सोमवार को सुबह फर्रुखाबाद से बादशाहपुर के लिए रवाना हुआ था। मंगलवार को सुबह करीब आठ बजे चालक जैसे ही शहाबपुर गांव के सामने पहुंचा अनियंत्रित होकर ट्रक अंडरपास के नीचे गिर गया। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। उसके पहले मौजूद लोगों ने केबिन में फंसे ट्रक चालक को बाहर निकाला। ट्रक मालिक के मुताबिक चालक सुरेंद्र कुमार की हालत है।

ट्रेन की चपेट में आया अधेड़, हालत गंभीर

प्रयागराज। लालगोपालगंज रेलवे स्टेशन के पश्चिमी केबिन के पास मंगलवार शाम पटरी किनारे लेटा अधेड़ ट्रेन की चपेट में आ गया। सिर में गंभीर चोट लगने से वह बेहोश हो गया। जीआरपी ने उसे अस्पताल भेजा। प्रतापगढ़ के कुंडा थाना क्षेत्र के पिंगरी बढ़ई का पूरा निवासी रामदास (50) मंगलवार शाम करीब चार बजे लालगोपालगंज रेलवे स्टेशन के पश्चिमी केबिन के आगे पटरी के बगल में लेटे हुए थे। तभी डिवीजनल मैटेरियल ट्रेन (डीएमटी) वहां से गुजर रही थी। इसी दौरन अधेड़ उसकी चपेट में आ गया। हादसे में रामदास के सिर पर गंभीर चोटें आईं।

कौंधियारा थाने के पास युवक से मोबाइल फोन छीना

प्रयागराज। कौंधियारा थाना के पास सोमवार को दो बाइक सवार बदमाशों ने एक युवक से मोबाइल छीनकर फरार हो गया। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है। बृजेश भारतीय मोबाइल पर बात कर रहा था। तभी बाइक से पहुंचे दो युवकों ने उससे रास्ता पूछा। जैसी ही युवक उनको रास्ता बताने लगा, तभी आरोपी उसका मोबाइल छीनकर भाग गए। थाना प्रभारी कुलदीप शर्मा ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

लालगोपालगंज में बंद मकान से हजारों की चोरी

प्रयागराज। लालबाबा का पूरा में सोमवार रात चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाया। मकान मालिक विदेश में है और पत्नी मायके गई थी। चोर आलमारी से नकदी, जेवरात व घरेलू सामान चोरी कर लिया। तहरीर पर पुलिस ने मौका मुआयना किया है। प्रतापगढ़ जनपद के बछन्दामऊ गांव निवासी मो. वसीम विगत चार वर्षों से लालाबाबा का पूरा मोहल्ले में रहते हैं। वर्तमान में वे सऊदी अरब में काम करते हैं। पत्नी सोनी बानो पिछले सप्ताह मायके गई थी। इसी बीच मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने सूचना दी कि वसीम का घर खुला हुआ है। सूचना पर जब सोनी लौटी तो अंदर का नजारा देखकर दंग रह गई। कमरे में रखी आलमारी टूटी हुई थी और उसमें रखा नकदी व जेवरात गायब थे। जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच–पड़ताल शुरू की।

पेड़ से टकराई बाइक, मामा– भांजा घायल

प्रयागराज। कोरांव के बड़ोखर गांव में मंगलवार सुबह 11 बजे सड़क किनारे पेड़ से एक बाइक अनियंत्रित होकर टकरा गई। हादसो में मामा–भांजा घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। खीरी थाना क्षेत्र के डील उसरी गांव निवासी कृष्णकांत पुत्र उजागिर अपनी बहन के घर कोरांव के लखनपुर गांव गया था। वहां से अपने भांजे नरेंद्र के साथ लौट रहा था। तभी बड़ोखर में सेवई मोड़ के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई, जिसमें दोनों घायल हो गए।

पुलिस एवं एसओजी की संयुक्त कार्रवाई में 11 चोर गिरफ्तार

प्रयागराज। इलाकाई पुलिस एवं एसओजी की संयुक्त कार्रवाई में मंगलवार को 11 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इनके पास से लोहे की रॉड,, कटर, आरी ब्लेड छोटे आदि बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि दिलीप निवासी ग्राम भाईलाल का पुरवा, थाना रहरा बाजार जनपद बलरामपुर, रामदीन वर्मा और चंद्रभान निवासी ग्राम मतवरिया थाना मोतीगंज जनपद गोंडा, जितेंद्र कुमार निवासी ग्राम छजवा थाना मोतीगंज जनपद गोंडा, जगदीश प्रसाद निवासी ग्राम पठानपुरवा थाना मनकापुर जनपद गोंडा, दुर्गेश ग्राम जिगना बाजार थाना मनकापुर जनपद गोंडा, सरोज कुमार निवासी ग्राम नकछेदपुरवा थाना मनकापुर जनपद गोंडा, सुजीत कुमार निषाद निवासी ग्राम भदकार थाना झूंसी, विकास निषाद निवासी काली सड़क त्रिवेणीबांध थाना दारागंज, गोलू निषाद निवासी काली सड़क दारागंज एवं मनीष निषाद निवासी कच्ची सड़क दारागंज को छतनाग ज्ञानगंगा घाट वाले रास्ते के पास से गिरफ्तार किया। दोपहर बाद पकड़े गए आरोपियों का चालान कर दिया गया।

संक्षिप्त

महाकुंभ सेवा मेडल व प्रशस्तिपत्र प्रदान कर जेसीपी ने मुख्य आरक्षी को किया सम्मानित

लखनऊ, संवाददाता। पुलिस का कार्य केवल आपराधियों को पकड़ना और अपराधों पर नियंत्रण करना ही नहीं है बल्कि आम लोगों की सेवा, सहायता करना भी है। गत वर्ष सफलता पूर्वक सम्पपन्न हुए विश्व के सबसे बड़े धार्मिक समागम महाकुंभ में अपने कर्तव्यों की पराकाष्ठा पार कर सेवा देने वाले लखनऊ पुलिस कमिश्नेरेट के मुख्य आरक्षी पंकज दीक्षित को महाकुंभ सेवा मेडल व प्रशस्तिपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। महाकुंभ–2025 के सफल समापन के अवसर पर उ0प्र0 के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा महाकुंभ की ड्यूटी में लगे पुलिस कर्मियों को सम्मानित करने की घोषणा की गयी थी। महाकुंभ की ड्यूटी के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था,यातायात नियन्त्रण,एवं शांति व्यवस्था,बनाए रखने में मुख्य आरखी पंकज दीक्षित को उनकी उत्कृष्ट कार्यकुशलता और समर्पण को देखते हुए महाकुंभ सेवा मेडल और प्रशस्तिपत्र प्रदान किया। डालीगंज स्थित पुलिस कार्यालय में तैनात पंकज दीक्षित को संयुक्त पुलिस कमिश्नर कानून एवं व्यवस्था बबलू कुमार ने महाकुंभ सेवा मेडल व प्रशस्तिपत्र प्रदान कर सम्मानित किया साथ ही इस सेवा मेडल के लिए हार्दिक बधाइयां दी। इस अवसर पर वहां उपस्थित सभी पुलिस अधिकारियों तथा सहयोगियों ने मुख्य आरक्षी पंकज दीक्षित को मिठाई खिलाकर बधाइयां दी और इस उपलब्धि के लिये अपनी शुभकामनायें प्रदान की।

मुझे उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले का खुद संज्ञान लेगा, सीजेएम के ट्रांसफर पर अखिलेश का तंज

लखनऊ, संवाददाता। सीओ अनुज चौधरी के खिलाफ FIR के आदेश के बाद संभल के CJM विभांशु सुधीर के ट्रांसफर पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा, मुझे उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट इस मामले का खुद संज्ञान लेंगे। मुझे विश्वास है कि देश के बुद्धिजीवी और जज खुद इस मुद्दे पर संज्ञान लेंगे। लखनऊ में समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को सपा के सभी सांसदों की मीटिंग बुलाई थी। अखिलेश ने अपने सांसदों से आगामी चुनावी रणनीति और संगठन मजबूत करने की चर्चा की। हर संसदीय क्षेत्र की विधानसभा सीटों की स्थिति पर चर्चा हुई। इस दौरान अखिलेश यादव ने अपने सांसदों में कहा था कि यह 37 सांसद 2027 के विधानसभा चुनाव में जीत दिलाएंगे।

प्रदेश के 'राजभवन' का नाम बदलकर अब 'जन भवन', राज्यपाल के आधिकारिक आवास का नाम परिवर्तन

लखनऊ, संवाददाता। गृह मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा राज्यपाल के आधिकारिक आवासों के नामकरण के मानकीकरण के संबंध में निर्गत निर्देशों के अनुपालन में, उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के आधिकारिक आवास का नाम परिवर्तन किया गया है। पूर्व में 'राज भवन' के नाम से ज्ञात राज्यपाल के आधिकारिक आवास को अब "जन भवन" नाम दिया गया है। उक्त निर्देश के क्रम में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल का आधिकारिक आवास तत्काल प्रभाव से समस्त शासकीय एवं वैधानिक प्रयोजनों के लिए 'जन भवन' के नाम से अभिहित व संबोधित किया जाएगा।

प्रॉपर्टी के लिए जहर देकर पति को मार डाला

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके में मंगलवार रात को संदिग्ध परिस्थितियों में एक इलेक्ट्रिशियन की मौत हो गई। मौत की सूचना करीब 2 घंटे के बाद उसकी पत्नी को मिली। पत्नी ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस का कहना है परिवार की तरफ से अभी तक कोई लिखित तहरीर नहीं आई है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। ठाकुरगंज मुसाहिब पार्क निवासी शानू खान की करीब 15 महीने पहले बलरामपुर जिला की रहने वाली शानिया से निकाह हुआ था। शानिया ने बताया कि पिछले सप्ताह मंगलवार को पति शानू उन्हें मायके छोड़कर आए थे। 15 जनवरी को वह वापस आ गए थे। मंगलवार शाम करीब 5.30 बजे फोन पर बातचीत हुई थी। उन्होंने दुबग्गा के आगे एक प्लॉट खरीदा था। उसका वीडियो बनाकर भेजा था। बात करते हुए उन्होंने कहा था कि शाम को जमीन के कागज भी भेज देंगे। शानिया ने बताया कि शाम को बात होने के बाद जब रात में पति को फोन मिलाया तो नहीं उठा। लगातार 20 बार फोन मिलाने के बाद शानू की छोटी बहन ने फोन उठाया और उल्टा सीधा बोलने लगी। उसके बाद फोन काट दिया। इसके बाद फोन बंद कर दिया। पड़ोसियों से जानकारी करने पर पता चला कि पति को परिवार वाले हॉस्पिटल ले गए हैं। बाद में पता चला कि पति की मौत हो गई है। पत्नी शानिया ने बताया कि शानू की पूरी बॉडी नीली पड़ गई थी। उनको जहर देकर मारा गया है। शानू के घर वालों ने उसकी मौत की जानकारी तक नहीं दी। प्रॉपर्टी के चक्कर में पति को मार दिया गया है। मृतक के परिजन लतीफ ने बताया कि खाना खाते समय शानू गिर गया था। पहले एक निजी हॉस्पिटल लेकर गए। डॉक्टरों ने ऐरा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहां पहुंचे तो डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को घर ले आए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घर से शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। ठाकुरगंज इंस्पेक्टर ओमवीर सिंह ने बताया कि परिवार की तरफ से अभी तक कोई भी लिखित शिकायत नहीं आई है। शिकायत मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ में डायवर्जन के बाद भीषण जाम

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में आज तीसरे दिन भी भीषण जाम लगा। शहर में तीन दिवसीय 86 वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन का आज अंतिम दिन है। सम्मेलन के मद्देनजर हजरतगंज इलाके में किए गए ट्रैफिक डायवर्जन के बाद जाम के हालात पैदा हो गए। हजरतगंज चौराहा से विधानसभा तक जाम लग गया। इसके अलावा अर्जुनगंज में क्षेत्र में जाम की स्थिति बन गई। ट्रैफिक डायवर्जन से कैंट सदर में ट्रैफिक जाम लगा। कामता चौराहा, पॉलिटेक्निक के आसपास भीषण जाम देखा गया। काफी देर तक गाड़ियां रेंगती रहीं। शहर का मुख्य चौराहा हजरतगंज है, यहां पर किए गए डायवर्जन के बाद वैकल्पिक मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया। इसके बाद एनेक्सी, प्रभात सिनेमा के आसपास, कैंट मॉल एवेन्यू समेत कैसरबाग, गोलागंज में जाम की स्थिति देखी गई। जाम की वजह से स्कूली छात्रों को पैदल जाना पड़ा। हजरतगंज चौराहे से सिविल अस्पताल और सीएम आवास जाने वाले रोड पर भी जाम लग गया।इस दौरान स्कूल छात्र गाड़ियों से निकलकर पैदल जाते हुए नजर आए।

एमबीएम मल्टीस्पेशलिटी होमियो क्लिनिक की 8वीं शाखा उद्घाटित

पिठापुरम। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के पीठाधीपति सद्गुरु डॉ. उमर अली शाह ने तनुकू मंडल के पैदीपारु गांव में श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम की एमबीएम मल्टीस्पेशलिटी होमियो क्लिनिक के 8वीं शाखा का उद्घाटन किया।

इस मौके पर अपने विचार प्रकट करते हुए डॉक्टर उमर अली शाह ने कहा, तनुकू शहर और आस–पास के इलाकों के लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवा प्रदान करने की इच्छा से, अब पैदीपारु गांव में एमबीएम मल्टीस्पेशलिटी होमियो क्लिनिक शुरू किया गया है। इस क्लिनिक में होम्योपैथ के विशेषज्ञ चिकित्सक सबसे कम खर्च पर होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा प्रदान करेंगे। सभी को इस सुविधा का फायदा उठाना चाहिए। इस मौके पर बोलते हुए, एमबीएम मल्टीस्पेशालिटी होम्योपैथ, चीफ कंसल्टेंट, प्रो. डॉ. पिंगली आनंद कुमार ने कहा कि असाध्याय बीमारियों का इलाज होम्योपैथिक दवा से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कैंसर, फर्टिलिटी, ऑटोइम्यून और, ऑटिज्म जैसी बीमारियों का इलाज स्पेशालिटी क्लीनिक के जरिए होम्योपैथिक दवा से किया जाएगा।

शिशु रोग चिकित्सक डॉ. पुल्ला उमा माहेश्वरी ने कहा, ष्मैंने ऑटिज्म पर काफी शोध किया है। और उनकी देखरेख में ऑटिज्म, एडीएचडी , बच्चों में बिहेवियरल डिसऑर्डर और बचपन की सभी तरह की बीमारियों का इलाज किया जाता है। इस इस कार्यक्रम में एएसआर के डायरेक्टर पॉलीशेट्टी श्रीनिवास, एएसआर बीईडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. श्याम बाबू, जनसेना लीडर मारिसेट्टी मुरली, पीठम के सदस्यगण शामिल हुए।

ह्यूमैनिटी वेलफेयर सोसाइटी ने 26 पौधे लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश!

मुजफ्फरनगर। ह्यूमैनिटी वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आगामी 26 जनवरी 2026 के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 26 पौधों का रोपण किया गया तथा सभी नागरिकों से "एक व्यक्तिदृएक पौधा" लगाने का आह्वान किया गया। यह पौधारोपण कार्यक्रम रूपा जूनियर हाई स्कूल परिसर में आयोजित हुआ, जहां विभिन्न प्रजातियों के 26 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में किसान चिंतक एडवोकेट कमल मित्तल ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से बचने के लिए पौधारोपण समय की सबसे बड़ी जरूरत है और प्रत्येक नागरिक को इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। स्कूल के प्रिंसिपल अमीर आलम ने कहा कि विद्यार्थियों को बचपन से ही प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भाव सिखाना आवश्यक है, ताकि वे भविष्य में जागरूक नागरिक बन सकें। वहीं इमाम खातिब मस्जिद–ए–गुलजार मौलाना मोहम्मद अहमद कासमी ने कहा कि इस्लाम में भी पेड़ लगाना और उनकी देखभाल करना एक पुण्य कार्य बताया गया है, जिससे समाज और आने वाली पीढ़ियों को लाभ मिलता है। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार राहुल शर्मा, इमाम खतीब एक मीनार वाली मस्जिद मौलाना मोहम्मद अमजद कासमी, जिया उलूम पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य नदीम खान, ह्यूमैनिटी वेलफेयर सोसाइटी से मोहम्मद शावेज, स्कूल मैनेजर अकबर सहित सर्व समाज के लोग एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

अपनी मांगों पर अड़े भाकियू अन्नदाता के किसान, नहीं दिया उपजिलाधिकारी को ज्ञापन

अवैध कॉलोनियां पर लगाई जाए रोक,किसानों को दी जाए घरौनीः भूरा पहलवान

मथुरा। भारतीय किसान यूनियन अन्नदाता के किसानों ने छठवें दिन भी बुधवार को अपनी मांगों को लेकर तहसील महावन के गांव किशनपुर में यमुना एक्सप्रेसवे के पुल के नीचे धरना जारी रखा।

धरने में महावन उपजिलाधिकारी कंचन गुप्ता किसानों के मध्य पहुंची और किसानों से उनकी समस्याओं को लेकर समाधान पर चर्चा की लेकिन किसान समस्त मांगों के समाधान पर अड़े रहे तथा उपजिलाधिकारी को अपनी मांगों के ज्ञापन को नहीं सौंपा।

भारतीय किसान यूनियन अन्नदाता के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ जे एस जाट एवं प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान ने बताया कि किसानों की 19 सूत्रीय मांगे हैं जिसमें से केवल 2 मांगों पर तहसील स्तर पर समाधान करने पर महावन उपजिलाधिकारी ने आश्वासन दिया। जिस पर नाराज किसानों उनको ज्ञापन देने से मना कर दिया।

प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान ने कहा कि हमारी प्रमुख मांग है कि तहसील स्तर पर अवैध कॉलोनियां पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा एक साल से अपनी घरौनी का इंतजार कर रहे किसानों को उनकी घरौनी दी जाय। तहसील का किसान विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ से किसान वंचित है हमारी मांगे प्रशासन नहीं मानेगा तो भारतीय किसान यूनियन अन्नदाता का धरना जारी रहेगा।

दबिश देने हाईकोर्ट पहुंच गये दरोगाजी

झूठ बोलकर घुसे अंदर, दारोगा-सिपाही समेत तीन निलंबित

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में काकोरी थाने के दो दरोगा और एक सिपाही अनाधिकृत रूप से हाईकोर्ट में दबिश देने जा पहुंचे। गौ–तस्करी की आरोपी महिला की गिरफ्तारी की कोशिश की। अधिवक्ता के चेंबर में बैठी महिला को साथ ले जाने का प्रयास किया। विरोध पर अधिवक्ताओं से भिड़ गए। अधिवक्ताओं ने उन्हें घेर लिया और पुलिस चौकी के सुपुर्द कर दिया। जांच में पता चला कि तीनों ने प्रवेश का पास भी नहीं बनवाया था। झूठ बोलकर अंदर आए थे। गेट पर एडवोकेट जनरल कार्यालय में जाने की बात बताई और अधिवक्ता के चेंबर में दबिश डाल दी। पुलिस उपायुक्त पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने तीनों को निलंबित कर दिया।अधिवक्ता सज्जाद हुसैन की तहरीर पर दोनों दरोगा व सिपाही के खिलाफ विभूतिखंड थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। एक मुकदमा हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार की ओर से भी दर्ज कराया है। इंस्पेक्टर विभूतिखंड अमर सिंह के मुताबिक अधिवक्ता सज्जाद हुसैन और अधिवक्ता आलोक शर्मा के मुताबिक पुलिस कर्मियों में काकोरी थाने के दरोगा उस्मान खान, लाखन सिंह और सिपाही पुष्पेंद्र सिंह है। काकोरी थाने में 14 जनवरी को माल के ऊंचाखेड़ा गांव में रहने वाले सुशील कुमार ने अमीनाबाद निवासी वासिफ के खिलाफ गोवध निवारण अधिनयम के तहत मुकदमा दर्ज कराया था। वासिफ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। वासिफ ने आमिना खातून का नाम भी गो–कसी में बताया।काकोरी पुलिस आरोपी आमिना की तलाश में दबिश दे रही थी। लोकेशन के आधार पर दरोगा उस्मान खान, लाखन सिंह और सिपाही पुष्पेंद्र समेत अन्य लोग हाईकोर्ट पहुंच गए। पुलिस कर्मियों ने हाईकोर्ट में प्रवेश का पास भी नहीं बनवाया था। तीनों के साथ महिला पुलिसकर्मी भी थी। आमिना की तलाश में पुलिस कर्मी अनाधिकृत रूप से दबिश देने अधिवक्ता गुफरान के चेंबर 515 सी ब्लाक में पहुंच गए। चेंबर में घुसकर आमिना को घेर लिया। जब तक आमिना को पकड़ते तो अधिवक्ताओं ने विरोध किया। इस पर पुलिस कर्मी उनसे अभद्रता करने लगे।अधिवक्ताओं के विरोध पर मामला हाईकोर्ट के सुरक्षाकर्मी भी पहुंच गए। मामला तूल पकड़ता देख महिला समेत कई अन्य पुलिस कर्मी भाग खड़े हुए। दरोगा उस्मान खान, लाखन सिंह और सिपाही पुष्पेंद्र सिंह को अधिवक्ताओं ने पकड़ लिया। हाईकोर्ट चौकी की पुलिस को सूचना दी गई। तीनों को चौकी के सुपुर्द कर दिया गया।

आकर माघ प्रयास

(छप्पय)

छोटी सी शुरुआत हमेशा जो करता है।
खुशियों से घरबार वही हरदम भरता है।
आकर माघ प्रयाग यही समझाता सबको।
कर गंगा स्नान निकालो मन से डर को।
चिन्ताओं से मुक्त हो करना फिर उस काम को।
घर का चूल्हा भी जले और तुम्हारा नाम हो।।

देखो प्यारा माघ सुनहरा मौका लाया ।
चलो त्रिवेणी घाट बुलावा सबका आया ।
मत भूलो यह बात परिन्दे भी हैं आते ।
कर मानस की बात सभी को हैं यह भाते ।
गंगा का दर्शन करें,संतों की संगत धरें।
माया–गठरी फेककर वाणी की वाणी सुने।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

हिन्दू राष्ट्र निर्माण यात्रा आज, हजारों सनातनी लेंगे हिस्सा

लखनऊ, संवाददाता। श्री राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा दिवस के मौके पर कल 22 जनवरी को देश को हिन्दू राष्ट्र बनाये जाने व लखनऊ के नाम को बदलकर लक्ष्मणपुरी किये जाने की मांग को लेकर हिन्दू राष्ट्र निर्माण यात्रा निकाली जा रही है। इस यात्रा को प्रातः दस बजे कुर्सी रोड स्थित अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के मुख्यालय से मुख्य अतिथि विधानपरिषद सदस्य पवन सिंह चौहान व अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी भगवा ध्वज दिखाकर रवाना करेंगे। अयोध्या में भगवान श्री राम मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा के शुभवसर पर शुरू की गयी यह यात्रा पिछले वर्ष शुरू की गयी थी।

युवा नेता आयुष्मान त्रिवेदी के नेतृत्व में निकाली जा रही हिन्दू राष्ट्र निर्माण यात्रा अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के मुख्यालय कुर्सी रोड समक्ष इंटीग्रल यूनिवर्सिटी से प्रातः दस बजे से प्रारम्भ होकर गुडम्बा, टेढ़ी पुलिया, पुराना हनुमान मन्दिर, कपूरथला चौराहा, आईटी चौराहा होते हुये हनुमान सेतु पर समाप्त होगी। भगवान श्री राम के छोटे भाई के नाम से बसाये गये लखनऊ का नाम लक्ष्मणपुरी किये जाने के साथ देश को हिन्दू राष्ट्र घोषित किये जाने की मांग को लेकर निकाली जा रही इस यात्रा में सैकड़ों दुपहिया व चार पहिया वाहनों के साथ हजारों के संख्या में विभिन्न हिन्दूवादी संगठनों से जुड़े सनातनी कार्यकर्ता भाग लेंगे।

महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ी, मेदांता में भर्ती

लखनऊ, संवाददाता। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की स्वास्थ्य स्थिति अचानक बिगड़ गई है।उन्होंने पिछले 36 घंटों से कुछ भी नहीं खाया, जिससे उनकी तबीयत लगातार डिटेरियोट होती गई।उन्हें उल्टी और दस्त की समस्या बनी रही।तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही श्रीराम अस्पताल के सेवानिवृत्त चिकित्सक डॉ. एसके पाठक ने उनका चेकअप किया। प्रारंभिक जांच के बाद डॉक्टरों ने उनकी स्थिति को गंभीर मानते हुए बेहतर उपचार की सलाह दी। इसके बाद महंत नृत्य गोपाल दास को लखनऊ के मेदांता अस्पताल में रेफर किया गया। उनके उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास उन्हें लेकर लखनऊ के लिए रवाना हो गए हैं।मेदांता अस्पताल पहुंचने के बाद विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी विस्तृत जांच और इलाज करेगी। चिकित्सकों का मानना है कि चिकित्सकीय निगरानी में रखना आवश्यक है। महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत खराब होने की खबर से संत समाज, रामभक्तों और श्रद्धालुओं में चिंता का माहौल है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की जा रही है और देशभर में प्रार्थनाएं की जा रही हैं। ट्रस्ट प्रशासन भी उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

योगी ने मेघालय, त्रिपुरा, मणिपुर के लोगों को राज्य स्थापना दिवस पर दीं शुभकामनाएं

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को त्रिपुरा, मणिपुर और मेघालय के लोगों को उनके राज्यों के स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दीं। आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर पोस्ट किया, ''अनुपम लोक कलाओं से समृद्ध त्रिपुरा राज्य के स्थापना दिवस की त्रिपुरा वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, ''अतुल्य सांस्कृतिक विविधताओं के वैभव से परिपूर्ण यह राज्य विकास और प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहे, यही कामना है। उन्होंने एक अलग पोस्ट में कहा, ''मणिपुर राज्य के स्थापना दिवस की सभी मणिपुर वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा, कला, कौशल एवं विविध संस्कृतियों से संपन्न यह राज्य शांति, प्रगति और समृद्धि के पथ पर सतत अग्रसर रहे, यही कामना है। एक और पोस्ट में, आदित्यनाथ ने कहा, ''पुरातन परंपराओं के अनुपम प्रतीक मेघालय राज्य के स्थापना दिवस की सभी मेघालय वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, ''प्रकृति, संस्कृति, संस्कार एवं लोक आस्था से समृद्ध मेघालय उन्नति एवं प्रगति के नित नूतन आयाम गढ़े, विकास की नवीन ऊंचाइयों को स्पर्श करे, ईश्वर से यही प्रार्थना है।

डिजिटल टूल्स पर राष्ट्रीय कार्यशाला का भव्य आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेन्द्र नगर, लखनऊ के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के सहयोग से "निमहांस द्वारा विकसित मानसिक कल्याण हेतु डिजिटल टूल्स" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने वाले डिजिटल टूल्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी सामाजिक कलंक को कम करना तथा समग्र कल्याण को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में जोमी टी. जोस, प्रोग्राम मैनेजर, क्लिनिकल साइकोलॉजी विभाग, निमहांस, बेंगलुरु ने युवाओं द्वारा झेली जाने वाली उन चुनौतियों पर प्रकाश डाला, जो सामाजिक कलंक, सीमित जागरूकता या सुलभ संसाधनों की कमी के कारण उत्पन्न होती हैं।

सम्पादकीय.....

शांति थोपने की कोशिश

नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा के मोह में अमेरिकी राष्ट्रपति दुनिया के तमाम हिस्सों में जारी अशांति पर शांति थोपने की असफल कोशिश करते रहे हैं। कई देशों में टकराव के बाद शांति की स्थापना की असफल कोशिशों के पश्चात अब ट्रंप गाजा में शांति थोपने का उपक्रम कर रहे हैं। गाजा में शांति स्थापना के लिये अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रस्तावित योजना विश्व की नियामक संस्थाओं के ढांचे से बाहर उनकी प्राथमिकताओं के अनुरूप एक महत्वाकांक्षी कदम है। गाजा में शांति बनाये रखने के लिये मुनाफे व व्यापार जैसी प्रक्रिया के रूप में यह प्रयास अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता को एक प्रत्यक्ष चुनौती है। जो लंबे समय से दुनिया के सबसे जटिल संघर्षों में से एक गाजा संकट को दूर करने के प्रयासों में लगी हुई हैं। सही मायनों में ट्रंप का यह शांति प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र संघ को दरकिनार करने जैसा है, जिसको लेकर उन्होंने बार–बार नकारात्मक प्रतिक्रिया दी हैं। उनकी दलील है कि संयुक्त राष्ट्र संघ मौजूदा वैश्विक चुनौतियों से निपटने में अक्षम और पक्षपाती है। वह इसमें अत्यधिक नौकरशाही हावी होने के भी आरोप लगाते रहे हैं। निश्चित तौर पर दुनिया की महाशक्तियां संयुक्त राष्ट्र को हांकने का प्रयास करती रही हैं। वे अपने मनमाफिक न होने पर इसे अक्षम बताने लगते हैं। दरअसल, ट्रंप की कोशिश है कि उसकी मनमाफिक क्षेत्रीय शक्तियां और अमेरिका–संगठित पक्षों द्वारा शांति योजना को सिरे चढ़ाया जाए। निश्चित रूप से यह प्रयास सार्वभौमिक बहुपक्षवाद को नकार कर शासन व्यवस्था बदलने का प्रयास ही है। निर्विवाद रूप से जो शांति, बिना वैधता,सहमति और जवाबदेही के थोपी जाती है, वह कभी स्थायी समाधान का वाहक नहीं बन सकती है। ऐसे में किसी भी विश्वसनीय शांति प्रयास के जरिये उन वास्तविकताओं से निपटना होगा, जिन्हें ट्रंप मनमानी व जल्दबाजी में अकसर नजरअंदाज करते रहे हैं। अन्यथा यह कोशिश भी ट्रंप की अन्य कोशिशों की तरह विफल ही साबित होगी। आज गाजा संकट जिस मुश्किल दौर में पहुंच चुका है, उसके लिये जरूरी है कि अंतर्राष्ट्रीय कानून के क्रियान्वयन, नागरिकों की सुरक्षा और समावेशी शासन का मार्ग प्रभावी समझौते से सुनिश्चित किया जाए। ऐसे हालात में यदि अमेरिका अपनी आर्थिक प्राथमिकताओं को अधिक महत्व देता है या राजनीतिक अधिकारों के बजाय आर्थिक वादों को प्राथमिकता देता है, तो इस प्रयास में उस जोखिम की आशंका बनी रह सकती है, जो जमीनी वास्तविकताओं के बोझ से ढह सकता है। गाजा में शांति के लिये नये प्रयास कसौटी पर तभी खरे उतर सकते हैं जब इसमें गाजा की वास्तविक आवाज को सुना जाता हो। निश्चित रूप से हिंसा पर काबू पाना प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन नागरिकों के जीवन की गरिमा बनाये रखना और सुरक्षा सुनिश्चित करना भी जरूरी है। शांति समझौते में यदि स्थानीय लोगों के हितों की अनदेखी होती है तो यह शांति प्रस्ताव एक उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि दशकों से हिंसा व विस्थापन का दंश झेल रहे गाजावासियों के कष्टों को और बढ़ाएगा ही। भारत को इस शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव अमेरिका की ओर से दिया गया है। भारत वहां सदा से ही द्विराष्ट्र के सिद्धांत का समर्थन करता आया है। निर्विवाद रूप से भारत के जहां इस्राइल से बेहतर संबंध हैं, वहीं विश्वसनीयता अरब देशों में भी बरकरार रही है। गाजा में शांति प्रयासों में लगे अरब देशों के साथ भारत के मधुर संबंध रहे हैं। लेकिन यदि शांति प्रयासों में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को नजरअंदाज किया जाता है तो यह भारत की कूटनीतिक पहल के अनुकूल नहीं होगा। निस्संदेह, भारत हमेशा से ही प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बजाय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिये बहुपक्षीय मंचों पर ही भरोसा करता रहा है। ऐसे में गाजा में शांति के लिये पहल वैश्विक राजनीति में ट्रंप–प्रेरित उथल–पुथल को ही दर्शाती है। यदि गाजा में सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयास संयुक्त राष्ट्र को नजरअंदाज करते हैं, तो यह उस अंतर्राष्ट्रीय ढांचे को कमजोर करने का जोखिम बढ़ाएगा, जिसकी जरूरत समझौते के पूरा होने के बाद शांति बनाये रखने के लिये है।

भारत विरोधी चाल चल रहे बांग्लादेश को ट्रंप ने लगाया डंडा

नीरज कुमार दुबे

अमेरिकी दूतावास ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि कोई भी आवेदक साक्षात्कार से पहले एक भी डॉलर जमा न करे। पहले भुगतान करने से वीजा मिलने की कोई गारंटी नहीं है

दक्षिण एशिया की राजनीति इस समय दो परतों में खदबदा रही है। एक परत में बांग्लादेश की नीतियां हैं जो धीरे धीरे चीन को भारत की सबसे संवेदनशील भौगोलिक नस के पास लाने की कोशिश करती दिख रही हैं। दूसरी परत में अमेरिका का वह सख्त फैसला है जिसने एक झटके में ढाका को उसकी वास्तविक हैसियत का आईना दिखा दिया है। हम आपको बता दें कि अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार बांग्लादेश उन 38 देशों की सूची में डाल दिया गया है जिनके नागरिकों को अमेरिका जाने के लिए अब ठ1ठ2 वीजा पर भारी वीजा बॉन्ड देना पड़ सकता है। यह नियम 21 जनवरी 2026 से लागू होगा। बांग्लादेशी नागरिकों को व्यापार और पर्यटन के लिए अमेरिका जाने से पहले वीजा स्वीकृत होने के बाद पांच हजार, दस हजार या पंद्रह हजार डॉलर तक का बॉन्ड जमा करना पड़ सकता है। यह राशि किसी स्वचालित नियम से नहीं बल्कि दूतावास के कांसुलर अधिकारी के विवेक से तय होगी।

अमेरिकी दूतावास ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि कोई भी आवेदक साक्षात्कार से पहले एक भी डॉलर जमा न करे। पहले भुगतान करने से वीजा मिलने की कोई गारंटी नहीं है और तीसरे पक्ष की वेबसाइटें ठगी का जरिया हो सकती हैं। बॉन्ड केवल तभी जमा होगा जब वीजा स्वीकृत हो जाएगा और वह भी अमेरिका सरकार की आधिकारिक भुगतान प्रणाली के जरिये। नियम तोड़ने पर बॉन्ड जब्त हो जाएगा जबकि समय पर अमेरिका छोड़ने या यात्रा ही न करने की स्थिति में यह राशि वापस मिल सकती है देखा जाये तो यह फैसला केवल तकनीकी वीजा सुधार नहीं है। यह एक सख्त राजनीतिक संकेत है। अमेरिका साफ कर रहा है कि जिन देशों से अवैध प्रवास या नियम उल्लंघन का खतरा अधिक है उन्हें अब आसान पहुंच नहीं मिलेगी। बांग्लादेश को इस सूची में डालना उसके अंतरराष्ट्रीय व्यवहार पर सीधी टिप्पणी है। इसी समय दूसरी तस्वीर और भी चिंताजनक है। भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में खटास के बीच चीन के राजदूत ने तीस्ता नदी परियोजना क्षेत्र का दौरा किया जो भारत के चिकन नेक के बेहद करीब है। यह वही संकरा भूभाग है जो भारत के मुख्य भूभाग को उसके पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ता है। तीस्ता नदी प्रबंधन और पुनर्स्थापन परियोजना के नाम पर चीनी मौजूदगी इस क्षेत्र में केवल विकास सहयोग नहीं कही जा सकती। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार और उसके प्रमुख सलाहकार पहले ही चीन के साथ गहरी साझेदारी के संकेत दे चुके हैं। बीते वर्षों में चीन ने बंदरगाह, सड़क, ऊर्जा और अब जल प्रबंधन तक अपनी पहुंच बढ़ाने की रणनीति अपनाई है। तीस्ता परियोजना में चीनी तकनीकी आकलन भारत के लिए एक सामरिक चेतावनी है क्योंकि जल संसाधन और सीमावर्ती बुनियादी ढांचा सीधे सुरक्षा से जुड़े होते हैं। इस प्रकार एक ओर ढाका बीजिंग को भारत की सबसे संवेदनशील नस के पास लाने की कोशिश करता दिख रहा है तो दूसरी ओर वाशिंगटन उसके लिए दरवाजे सख्त करता जा रहा है। वैसे देखा जाये तो बांग्लादेश इस समय एक खतरनाक भ्रम में जी रहा है। उसे लग रहा है कि वह चीन की गोद में बैठकर क्षेत्रीय ताकत बन जाएगा और भारत पर दबाव बना सकेगा। चिकन नेक के पास चीनी गतिविधियों को न्यूनतम बताना या केवल तकनीकी सहयोग कहना अपने आप को धोखा देना है। यह वही इलाका है जहां एक छोटी–सी अस्थिरता भारत के पूर्वोत्तर को शेष देश से काट सकती है। ऐसे में चीन की मौजूदगी केवल बांग्लादेश की विकास जरूरत नहीं बल्कि एक सुनियोजित भू रणनीतिक चाल है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति भावनाओं से नहीं चलती। यहां हिसाब किताब ताकत और भरोसे का होता है। बांग्लादेश ने यह मान लिया था कि पश्चिम खासकर अमेरिका उसकी हर हरकत को नजरअंदाज करता रहेगा। यहीं सबसे बड़ी भूल हुई। डोनाल्ड ट्रंप की नीति शैली में न तो कूटनीतिक मुलायमियत है और न ही दिखावटी सहानुभूति। वीजा बॉन्ड का फैसला सीधे शब्दों में यह बताता है कि बांग्लादेश अब भरोसेमंद श्रेणी में नहीं रहा। यह फैसला प्रतीकात्मक से कहीं अधिक है। यह बांग्लादेशी मध्यम वर्ग, उच्च वर्ग और व्यापारिक तबके को सीधा आर्थिक झटका है। अमेरिका जाना अब केवल इच्छा नहीं बल्कि क्षमता का प्रश्न बन गया है। यह एक तरह का अनुशासनात्मक कदम है जो बताता है कि नियम तोड़ने की कीमत चुकानी होगी। सामरिक दृष्टि से यह घटनाक्रम भारत के लिए भी महत्वपूर्ण संकेत देता है। अमेरिका का यह रुख बताता है कि वह क्षेत्र में गैर जिम्मेदार व्यवहार को लेकर आंख मूंदे नहीं बैठा है। चीन के साथ जरूरत से ज्यादा नजदीकी और आंतरिक अस्थिरता का मिश्रण किसी भी देश को वैश्विक संदेह के घेरे में ला सकता है। बांग्लादेश इसका ताजा उदाहरण है। ढाका को यह समझना होगा कि भारत के साथ टकराव और चीन पर अत्यधिक निर्भरता उसे किसी सुरक्षित भविष्य की ओर नहीं ले जाएगी। उलटे वह ऐसी स्थिति में फंस सकता है।

ट्रंप का प्रस्ताव ठुकराना ही बेहतर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत को एक ऐसा प्रस्ताव मिला है, जिसे सरकार को फौरन नकार देना चाहिए। क्योंकि इसमें न केवल भारत की संप्रभुता और गुटनिरपेक्षता पर खतरा खड़ा होगा, बल्कि घोर वैश्विक असंतुलन भी खड़ा हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप गजा में शांति बहाल करने और स्थायी व्यवस्था निर्मित करने के लिए बनाए गए बोर्ड में भारत को भी शामिल करना चाहते हैं। अमेरिका की तरफ से बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण आया है। 16 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में ट्रंप ने कहा कि भारत की भागीदारी से मध्य पूर्व में शांति की दिशा में एक श्ऐतिहासिक और निर्णायक प्रयासश को मजबूती मिलेगी। उन्होंने इसे 7 अक्टूबर 2023 से जारी गजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक नए और साहसिक वैश्विक दृष्टिकोण के रूप में पेश किया है। ट्रंप के मुताबिक, उन्होंने 29 सितंबर, 2025 को गजा संकट को खत्म करने के लिए 20–बिंदुओं वाली योजना की घोषणा की थी, जिसे अरब देशों, इजरायल और यूरोप सहित कई वैश्विक नेताओं का समर्थन मिला था। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी इसे अनुमोदित किया था।लेकिन बात केवल इतनी ही नहीं है। असल में यह बोर्ड ऑफ पीस पूरी वैश्विक व्यवस्था को उलट–पुलट करने के इरादे से बनाया गया है। डोनाल्ड ट्रंप इसके आजीवन अध्यक्ष रहेंगे, और वो हटते हैं तो उनके द्वारा नामित व्यक्ति ही उनका उत्तराधिकारी बनेगा। यानी अमेरिका अपनी चौधराहट अब नए तरीके से दिखा रहा है। इसके अलावा बोर्ड के जरिए केवल गजा तक नहीं बल्कि तीसरी दुनिया के देशों की कमान संभालने का इरादा दिख रहा है।ट्रंप ने पिछले साल सितंबर में जब गजा के लिए एक 20–सूत्रीय शांति योजना प्रस्तावित की थी तो इसमें गजा को एक श्अस्थायी शासनश के अधीन रखा जाना था, जिसका प्रबंधन एक श्तकनीकी, गैर–राजनीतिक फिलिस्तीनी समितिश द्वारा किया जाता। जब संरा ने इस बोर्ड को मंजूरी दी, तो इसका कार्यकाल 2027 के अंत तक सीमित था और फोकस केवल गजा पर था। लेकिन बोर्ड का चार्टर अब विस्तारित हो चुका है। अब यह सिर्फ मध्यपूर्व की शांति तक सीमित नहीं है, बल्कि श्वैश्विक संघर्षों को सुलझानेश वाला एक श्नया अंतरराष्ट्रीय संगठन और अस्थायी शासन प्रशासनश के रूप में परिभाषित है। चार्टर में श्और संस्थाओं से अलग होने का साहसश पर जोर दिया गया है। यानी संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्था को खत्म कर, एक समानांतर व्यवस्था बनाने की चालाकी ट्रंप ने दिखाई है। बोर्ड का चार्टर श्संघर्ष से प्रभावितश या श्संघर्ष की धमकी वालेश क्षेत्रों में श्स्थायी शांतिश पर फोकस करता है। जहां श्धमकी वालेश क्षेत्र की परिभाषा साफ नहीं है। वैसे भारत इस व्यवस्था से दूर ही रहे तो अच्छा है, क्योंकि चार्टर में लिखे श्संघर्ष की धमकी वाले क्षेत्रश जैसे अस्पष्ट शब्द भविष्य में कश्मीर जैसे मुद्दे पर भारत की संप्रभुता को चुनौती दे सकते हैं। ट्रंप अभी पहलगाम के बाद ही किस तरह दखलंदाजी करने लगे हैं, ये सबने देखा है। भारत की हामी के बाद तो उन्हें कश्मीर पर बोलने का लाइसेंस ही मिल जाएगा।दरअसल गजा को कट्टरता और आतंकवाद से मुक्त क्षेत्र बनाने, सुरक्षा ढांचा तैयार करने और पुनर्निर्माण करने के नाम पर ट्रंप अब एशिया और अफ्रीका के कमजोर देशों पर अमेरिकी पूंजीवाद के चंगुल और कसना चाहते हैं। नए निर्माण और सुरक्षा के नाम पर कमजोर देशों को मनमानी शर्तों पर समझौता करने मजबूर किया जाएगा और उससे बाद उनकी जमीन और संसाधनों का इस्तेमाल ट्रंप अपने मुनाफे के लिए करेंगे। अभी संयुक्त राष्ट्र संघ चाहे शांति बहाली या युद्ध रुकवाने में प्रभावी रहे न रहे, वहां सभी सदस्य देशों के वोट का महत्व है और वीटो शक्ति के कारण किसी एक देश की मनमानी नहीं चल पाती है। ट्रंप इसे खत्म करके एक नये किस्म की तानाशाही कायम करने की राह पर हैं और इसमें वो भारत को भी शामिल करना चाहते हैं।अब यह नरेन्द्र मोदी को तय करना है कि वे ट्रंप की मीठी–मीठी बातों में आते हैं या भारत के घरेलू और वैश्विक हितों पर दूरगामी नजरिया रखते हैं। गौरतलब है कि ट्रंप का निमंत्रण ऐसे वक्त में आया है जब मोदी सरकार ट्रंप प्रशासन के साथ एक व्यापार समझौते पर काम कर रही है, ताकि भारतीय निर्यात पर लगे 50प्रतिशत शुल्क को कम किया जा सके। ट्रंप ने पहले ही भारत को परोक्ष रूप से धमका कर अपने फायदे के सौदे करवाए हैं। चाहे रूस से तेल खरीद कम करना हो या ईरान में चाबहार पोर्ट पर समझौते से पीछे हटना हो, मोदी सारे काम ट्रंप की सुविधा के लिए कर रहे हैं। अब उनके सामने बोर्ड ऑफ पीस का नया चारा फेंका गया है। ध्यान रहे कि ट्रंप इसमें भी चंदा उगाही से बाज नहीं आ रहे हैं। इस बोर्ड में स्थायी सदस्यता पाने के लिए एक अरब अमेरिकी डॉलर का योगदान करना होगा।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

धीरज जग में है बड़ा, रखिए उसको पास।
चिंता भय को त्याग कर, रखिए मन में आस।।
रखिए मन में आस, हमें तो मंजिल पाना।
आएगें तूफान, उन्हें बस सहते जाना।।
कहती रचना आज, कीच में निकले नीरज।
उसको मिलता लक्ष्य, पास में जिसके धीरज।।

रखता अच्छी सोच है, जग में जो इंसान।
करे गरीबों का भला, उसका है भगवान।।
उसका है भगवान, यही संतों की वाणी।
करके अच्छे कर्म , बनो फिर ऐसे प्राणी।।
कहती रचना आज, सुधा रस वह ही चखता।
प्रभु रहता संग, सोच जो अच्छी रखता।।

रचना सक्सेना
अल्लापीबाग
प्रयागराज

नैरेटिव गढ़ने में एआई माहिर है, हमें सावधान रहना होगा

आठ वर्ष पहले व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि जो भी एआई में महारत हासिल करेगा, वही दुनिया पर राज करेगा। तब से इस तकनीक में निवेश विस्फोटक रूप से बढ़ा है। अकेले 2025 में ही माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, अमेजन और मेटा ने एआई पर 320 अरब डॉलर से अधिक खर्च किए। एआई में वर्चस्व की यह दौड़ तीखी प्रतिक्रिया भी पैदा कर रही है। आशंकाएं बढ़ रही हैं कि बुद्धिमान मशीनें सुरक्षा के नए जोखिम पैदा करेंगी– जैसे आतंकवादियों, हैकरों और अन्य बुरे तत्वों को सशक्त करना। और यदि एआई मानव नियंत्रण से पूरी तरह बाहर निकल जाए तो? तब क्या वह अपने वर्चस्व की तलाश में मनुष्यों को पराजित कर सकती है? लेकिन इससे भी अधिक तात्कालिक खतरा मौजूद है।

लगातार अधिक शक्तिशाली लेकिन अपारदर्शी एआई एल्गोरिदम हमारी स्वतंत्रता के लिए चुनौती बनते जा रहे हैं। जितना अधिक हम सोचने का काम मशीनों को सौंपते जाएंगे, उतनी ही कम हमारी क्षमता चुनौतियों से निपटने की रह जाएगी। हमारी स्वतंत्रता पर यह खतरा दोहरा है। एक ओर रूस और चीन जैसे निरंकुश शासन पहले ही एआई का उपयोग व्यापक पैमाने पर लोगों की निगरानी और पहले से कहीं अधिक परिष्कृत तौर–तरीकों से उनके दमन के लिए कर रहे हैं। वे न केवल असहमति को कुचल रहे हैं, बल्कि सूचना के किसी भी ऐसे स्रोत को निशाना बना रहे हैं जो असंतोष को जन्म दे सकता है। दूसरी ओर, निजी और बहुराष्ट्रीय कंपनियां– जिनके पास अपार पूंजी और डेटा तक पहुंच है– अपने उत्पादों और प्रणालियों में एआई को एकीकृत करके मानवीय हस्तक्षेप को कमजोर कर रही हैं। उनका इकलौता मकसद अपने मुनाफे को अधिकतम करना है। सोशल मीडिया के गंभीर सामाजिक, राजनीतिक और मानसिक–स्वास्थ्य प्रभाव तो हम पहले ही देख चुके हैं। एआई उदार लोकतंत्रों के सामने भी अस्तित्वगत प्रश्न खड़ा करती है। यदि यह तकनीक निजी क्षेत्र के नियंत्रण में ही बनी रहती है तो जनता की, जनता के द्वारा और जनता के लिए सरकार कैसे बच सकेगी? लोगों को समझने की जरूरत है कि स्वतंत्रता का सार्थक प्रयोग इस बात पर निर्भर करता है कि मानवीय–प्रसंगों की रक्षा की जाए। उन्हें उन मशीनों के अतिक्रमण से बचाया जाए, जिन्हें सोचने और महसूस करने की हमारी प्रक्रियाओं को इस तरह ढालने के लिए बनाया गया है कि इसका लाभ कॉर्पोरेट हितों को हो। हालिया एक अध्ययन– जिसमें लगभग 77,000 लोगों ने राजनीतिक मुद्दों पर एआई मॉडलों के साथ संवाद किया– में पाया गया कि लोगों को किसी नैरेटिव की तरफ झुकाने के मकसद से डिजाइन किए गए चौटबॉट उन मॉडलों की तुलना में– जिन्हें इस तरह से प्रशिक्षित नहीं किया गया था– 51: तक अधिक प्रभावी थे। एक अन्य हालिया अध्ययन (कनाडा और पोलैंड में) में हर दस में से एक मतदाता ने शोधकर्ताओं को बताया कि एआई चौटबॉट्स के साथ हुई बातचीत ने उन्हें किसी विशेष उम्मीदवार का समर्थन न करने की स्थिति से समर्थन करने की ओर मोड़ दिया। फ्री–स्पीच का पारम्परिक सिद्धांत भी उस डिजिटल बाजार के लिए उपयुक्त नहीं रह गया है, जो सर्वव्यापी एल्गोरिदमों द्वारा आकार ले रहा है– एल्गोरिदम जो चुपचाप एआई इन्फ्लुएंसर की तरह काम करते हैं। ऑनलाइन सेवाओं के यूजर्स को लग सकता है कि उन्हें वही दिखाया जा रहा है जो वे चाहते हैं, लेकिन जिन व्यापक तरीकों से एल्गोरिदम यूजर्स को उस दिशा में मोड़ देते हैं, जहां कॉर्पोरेट

प्लेटफॉर्म उन्हें ले जाना चाहता हैं, वे गोपनीय बने रहते हैं। फ्री–स्पीच सिद्धांत की ऐसी ही विकृति 1996 के कम्युनिकेशंस डिसेंसी एक्ट की धारा 230 में भी दिखती है, जो डिजिटल प्लेटफॉर्म मालिकों को ऑनलाइन सामग्री से होने वाले नुकसान के लिए जिम्मेदारी से बचाती है। यह कॉर्पोरेट–फ्रेंडली नीति मानकर चलती है कि ऐसी सारी सामग्री यूजर–जनरेटेड होती है– यानी लोग इनके माध्यम से बस विचारों का आदान–प्रदान कर रहे हैं और अपनी पसंद जाहिर कर रहे हैं। लेकिन मेटा, टिकटॉक, एक्स और अन्य प्लेटफॉर्म किसी तटस्थ मंच की तरह काम नहीं करते। उनका अस्तित्व ही इस धारणा पर टिका है कि यूजर्स के अटेंशन से ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाना ही फायदे का सौदा है। कॉर्पोरेट्स अपना मुनाफा बढ़ाने के लिए एआई को इस तरह तैनात कर रहे हैं कि यूजर्स अधिक से अधिक ऑनलाइन समय बिताएं– ताकि वे टारगेटेड विज्ञापनों के ज्यादा संपर्क में रहें। इसके लिए खास तरह की जानकारी परोसने से भी उन्हें हर्ज नहीं।

दीपिका-रणवीर की ही नहीं, पूरी फैमिली की जान है बेबी दुआ, दादी ने हाथ पर पोती के नाम की मेहंदी लगा जाहिर किया प्यार

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण को बॉलीवुड के सबसे मजबूत और लोकप्रिय कपल्स में से एक हैं। इस कपल ने कुछ समय पहले ही एक प्यारी सी बेटी का स्वागत किया था, जिसका नाम उन्होंने दुआ रखा है। रणवीर और दीपिका ने अपनी लाडो का चेहरा भी दुनिया को दिखा दिया है। दुआ न सिर्फ दीपवीर की जान है, बल्कि वह पूरी फैमिली की धड़कन बन गई है। हाल ही में दादी यानी रणवीर सिंह की मां अंजू भवनानी ने भी अपनी पोती के लिए खास अंदाज में प्यार जाहिर किया है, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है। दरअसल, रणवीर सिंह की मां अंजू भवनानी हाल ही में एक शादी समारोह में शामिल हुई थीं। इस मौके पर उन्होंने लाइम ग्रीन रंग का खूबसूरत आउटफिट पहना। मेहंदी सेरेमनी के दौरान उन्होंने अपने हाथों में मेहंदी रचवाई और उसमें अपनी पोती दुआ का नाम लिखवाया। अंजू भवनानी ने अपने हाथ की मेहंदी की तस्वीर शेयर की, जिसमें 'दुआ' नाम साफ नजर आ रहा है। यह तस्वीर सामने आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। फैंस इस अंदाज को काफी पसंद कर रहे हैं और कमेंट्स के जरिए अपना प्यार बरसा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, "दुआ की दादी कितनी कूल हैं," तो वहीं दूसरे ने कहा, "दुआ की दादी बेस्ट हैं।"बता दें कि रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण 8 सितंबर 2024 को अपनी बेटी का स्वागत किया था। दुआ के आने के बाद से दोनों की जिंदगी पूरी तरह बदल गई है। अक्टूबर 2024 में कपल ने पहली बार अपनी बेटी का चेहरा फैंस को दिखाया था और दुआ के साथ कई प्यारी तस्वीरें शेयर की थीं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर सिंह इस समय अपने करियर के बेहतरीन दौर में हैं। उनकी फिल्म 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है और साल 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हो चुकी है। वहीं दीपिका पादुकोण भी मदरहुड एंजॉय करने के साथ-साथ अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं।

> फैंस इस अंदाज को काफी पसंद कर रहे हैं और कमेंट्स के जरिए अपना प्यार बरसा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, "दुआ की दादी कितनी कूल हैं" तो वहीं दूसरे ने कहा, "दुआ की दादी बेस्ट हैं।" बता दें कि रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ८ सितंबर २०२४ को अपनी बेटी का स्वागत किया था।

उन्होंने इतना गंदा एक्सप्रेशन दिया..शख्स ने रिवील किया कियारा का ऑफ कैमरा एटीट्यूड, बताया मां के साथ कैसे आई पेश

एक्ट्रेस कियारा आडवाणी बॉलीवुड की चर्चित एक्ट्रेसेस में शुमार हैं। फैंस हमेशा एक्ट्रेस की एक्टिंग, लुक्स और उनके अंदाज की तारीफ करते नजर आते हैं। इन सबके बीच एक शख्स ने बताया कि कियारा ऑन द स्क्रीन तो सबका दिल जीतती है, लेकिन ऑफ स्क्रीन वो कैसी है इसे लेकर उसने अपना अनुभव शेयर किया। हाल ही में एक शख्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह बताता है वो अपनी मां के साथ दिल्ली-जयपुर फ्लाइट में बिजनेस क्लास में ट्रैवल कर रहा था, लेकिन गलती से उसकी मां गलत सीट पर बैठ गईं। जिस सीट पर उसकी मां बैठी थी वो कियारा की सीट थी। शख्स ने आगे बताया कि जब कियारा वहां आईं और उन्होंने देखा कि उनकी सीट पर मेरी मां बैठी है तो उन्होंने इतना गंदा एक्सप्रेशन दिया कि जैसे उस सीट पर कोई नॉन सेलिब्रिटी इंसान बैठ ही नहीं सकता है। मालूम हो, इससे पहले कैबिन क्रू की एक लड़की भी कियारा के इस तरह के एटीट्यूड के बारे में बता चुकी है। उन्होंने बताया था कि कियारा हद से ज्यादा फेक एटीट्यूड दिखाती है, जबकि जाह्नवी कपूर और अनन्या पांडे काफी प्यारी हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो कियारा आडवाणी को आखिरी बार ऋतिक रोशन के साथ 'वॉर 2' में देखा गया था। वहीं अब कियारा जल्द ही यश स्टारर फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएंगी। फिल्म से पिछले दिनों एक्ट्रेस का लुक भी सामने आया था, जिसे काफी पसंद भी किया गया था। यह फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जल्द ही दूसरे बच्चे के पिता बनेंगे जवान डायरेक्टर एटली, पत्नी संग रोमांटिक तस्वीरें शेयर कर सुनाई गुड न्यूज

फिल्म जवान के डायरेक्टर एटली ने हाल ही में अपने फैंस के साथ एक गुड न्यूज शेयर की हैं। डायरेक्टर की फैमिली में इजाफा होने वाला है। जी हां, आप ससही समझ रहे हैं। एटली की पत्नी प्रिया मोहन फिर से प्रेग्नेंट हैं। यानी ये कपल जल्द ही दूसरे बच्चे के माता-पिता बनने वाला है। इस गुड न्यूज को प्रिया और एटली ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ शेयर किया है। एटली और प्रिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक जॉइंट पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा-हमारा घर हमारे नए सदस्य के आने से और भी ज़्यादा आरामदायक होने वाला है! हाँ! हम फिर से प्रेग्नेंट हैं हमें आपके सभी आशीर्वाद, प्यार और प्रार्थनाओं की जरूरत है प्यार के साथ एटली, प्रिया, मीर, बेकी, यूकी, चॉकी, कॉफी और गूफी। शेयर की गई इन तस्वीरों में पहली फोटो में प्रिया और एटली अपने पहले बच्चे के साथ नजर आ रहे हैं और प्रिया अपना बड़ा सा बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। अगली तस्वीरों में एटली की वाइफ अपने पति की बाहों में रोमांटिक अंदाज में अपना बंप शो कर रही हैं। फैंस कपल के इस पोस्ट पर खूब प्यार लुटा रहे हैं और इस गुड न्यूज पर उन्हें बधाई दे रहे हैं। बता दें, इस कपल ने 31 जनवरी, 2023 को अपने पहले बच्चे के आने की घोषणा की। जवान के डायरेक्टर ने यह खबर अपने इंस्टाग्राम पर शेयर कर लिखा थारू वे सही थे। दुनिया में ऐसी कोई फीलिंग नहीं है। और बस, हमारा बेबी बॉय आ गया है! पेरेंटहुड का एक नया रोमांचक एडवेंचर आज से शुरू होता है! आभारी। खुश। धन्य। काम के मोर्चे पर एटली राजा रानी, थेरी, मर्सल और बिगिल जैसी फिल्मों के डायरेक्शन के लिए जाने जाते हैं। शाहरुख खान की जवान-जो अब तक की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों में से एक बन गई-को डायरेक्ट करने के बाद, एटली ने वरुण धवन की बेबी जॉन में प्रोड्यूसर के तौर पर कमबैक किया। यह फिल्म, जो 2024 में रिलीज हुई थी, बॉक्स-ऑफिस पर फ्लॉप रही।

रोहित सराफ के इस नए लुक के फैन हो जाएंगे आप, क्या नए किरदार की है तैयारी

रोहित सराफ का ट्रांसफॉर्मेशन हमेशा चर्चा में रहता है। फिर चाहे सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में उनका बॉय-नेक्स्ट-डोर लुक हो या जैम त्मअवसनजपवदंतपमे के लिए खुद को पूरी तरह ढालना। लेकिन हाल ही में उनका नया दाढ़ी वाला लुक सोशल मीडिया पर सबका ध्यान खींच रहा है। अब फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि ये लुक उनके किसी नए किरदार के लिए है या उन्होंने यूं ही दाढ़ी बढ़ा ली है। पनवाड़ी स्टार ने अपने सोशल मीडिया पर अपनी नई तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वह स्ट्राइप्ड डबल-ब्रेस्टेड कोट, चारकोल डेनिम्स, क्लासिक घड़ी और फॉर्मल जूतों में नजर आ रहे हैं। लेकिन सबसे ज़्यादा ध्यान उनकी बिखरी हुई हेयरस्टाइल और घनी दाढ़ी ने खींचा। फैंस कमेंट कर रहे हैं, "इस लुक से प्यार हो गया!" इन तस्वीरों के बाद से चर्चा तेज हो गई है कि क्या ये उनके अगले किरदार का लुक है। अगर ऐसा है, तो दर्शकों के लिए ये किसी विजुअल ट्रीट से कम नहीं होगा। काम की बात करें तो सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में शानदार और दिल छू लेने वाली परफॉर्मेंस के बाद रोहित सराफ अब अपनी अगली सीरीज जैम त्मअवसनजपवदंतपमे के लिए तैयार हैं। यह सीरीज उन युवा भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों की कहानी दिखाती है, जो मानते थे कि अंग्रेजी हुकूमत को खत्म करने के लिए सशस्त्र संघर्ष जरूरी था।

यह है ओ रोमियो एक्टर शाहिद कपूर की फिटनेस का राज, सोने-खाने और व्यायाम को लेकर बताई दिलचस्प बातें

शाहिद कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म श्ओ रोमियोश को लेकर सुर्खियों में हैं। इसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है जिस पर दर्शकों ने अच्छी प्रतिक्रिया दी है। इसमें शाहिद कपूर काफी फिट नजर आए हैं। हाल ही में उन्होंने बताया है कि वह अपनी फिटनेस को कैसे मेंटेन रखते हैं। आइए जानते हैं उन्होंने अपनी फिटनेस को लेकर क्या कहा है? अभिनेता शाहिद कपूर शादीशुदा हैं। वह दो बच्चों के पिता हैं। इसके साथ ही वह फिटनेस को लेकर सचेत भी हैं। अपनी फिटनेस के बारे में बात करते हुए उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस से कहा मेरे रूटीन में आमतौर पर कई ट्रेनिंग शामिल होते हैं। इसमें स्ट्रेंथ वर्क और मोबिलिटी एक्सरसाइज शामिल हैं। यह मुझे फुर्तीला रखती हैं। मैं सुबह व्यायाम करना पसंद करता हूं। इससे मेरे दिन की शुरुआत अच्छी होती है।

उन्होंने बताया कि वह अपने व्यायाम को दिलचस्प बनाने के लिए कार्डियो करते हैं और खेल खेलते हैं। उन्होंने कहा यह सब मैं इसलिए करता हूं ताकि मुझे ऊर्जा मिले और मैं अच्छा महसूस करूं। शाहिद कपूर का रूटीन सिर्फ एक गठी हुई बॉडी और बाइसेप्स पाने के लिए नहीं है बल्कि यह उन्हें पूरे दिन एक्टिव रहने में मदद करने के लिए है।

शाहिद कपूर शाकाहारी हैं। उन्होंने बताया कि वह हरी सब्जियां और दालें खाते हैं। देर रात जंक फूड नहीं खाते। वह डाइट पर ध्यान देते हैं लेकिन इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचते। कभी-कभी वह ऐसा खाना भी खा लेते हैं जो उन्हें अच्छा लगता है, भले ही वह सेहत के लिहाज से उतना अच्छा न हो। इससे वह हल्का महसूस करते हैं। उनका मानना है कि फुर्तीला रहने के लिए आपको मांस या फैड डाइट की जरूरत नहीं है। सोने के बारे में शाहिद कपूर का कहना है कि आप कितना भी व्यस्त क्यों न हों आपको छह घंटे सोना चाहिए। इससे आपका शरीर और दिमाग तेज होता है। उन्होंने बताया कि वह रूटीन को लेकर बहुत जुनूनी हैं। घर पर, सेट पर, पिता के तौर पर या भाई के तौर पर, हर जगह वह अनुशासन में रहते हैं।

पता नहीं मैं वापस आऊंगी या नहीं, नेहा कक्कड़

सिंगर नेहा कक्कड़ ने अपनी लेटेस्ट सोशल मीडिया अनाउंसमेंट से अपने फैंस को हैरान कर दिया है। नेहा ने अनाउंस किया है कि वह अपनी षजिम्मेदारियों, रिश्तों और कामष से ब्रेक ले रही हैं। नेहा कक्कड़ ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा-अब जिम्मेदारियों, रिश्तों, काम और अभी मैं जिन भी चीजों के बारे में सोच सकती हूं, उन सबसे ब्रेक लेने का समय आ गया है। पक्का नहीं पता कि मैं वापस आऊंगी या नहीं धन्यवाद। नेहा जो सोशल मीडिया और स्टेज पर अपनी मौजूदगी के लिए जानी जाती हैं, उन्होंने इस बारे में ज़्यादा डिटेल में नहीं बताया कि उन्होंने यह फैसला क्यों लिया। अपनी पहली पोस्ट करने के बाद, नेहा ने अपनी प्राइवेसी के बारे में एक और मैसेज जारी किया, जिसमें उन्होंने खास तौर पर फैन्स और पैपराजी से रिक्वेस्ट की कि इस दौरान उनकी फिल्मिंग या तस्वीरें न लें। सिंगर ने सीधे जनता और मीडिया से पर्सनल स्पेस की अपनी जरूरत के बारे में बात की और एक और पोस्ट में लिखा, "और मैं पैपराजी और फैन्स से रिक्वेस्ट करती हूं कि मुझे बिल्कुल भी फिल्म न करें।

सावधान! पैरों में पसीना और बदबू हो सकते हैं इन बीमारियों का संकेत

पैरों से आती बदबू को ज्यादातर लोग ये सोचकर नजरअंदाज करते हैं कि शायद पसीने वजह होगी। लेकिन क्या आपको पता है कि ये बड़ी बीमारियों के संकेत भी हो सकते हैं। जी हां, बिल्कुल सही सुना आपने। एक्सपर्ट्स की मानें तो डायबिटीज की ओर इशारा हो सकता है। कई सारी बीमारियों हमें संकेत देती हैं। अगर आप ये संकते समझ लें तो गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। डायबिटीज या किडनी की समस्या होने पर पैरों से सिरके जैसी महक आने लगती हैं। आइए आपको बताते हैं क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स...

क्या है हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि पैरों में बहुत ज्यादा पसीना आने की इनमें से कई सारी वजहें हो सकती है। इन्हें अनदेखा करने की गलती न करें...

– टीनएजर्स को हार्मोनल चेंज की वजह से पसीना आता है।

–कई सारे लोग फंगल इंफेक्शन या डायबिटीज का शिकार होते हैं, तो उनके पैरों के पसीने से सिरके जैसी बदबू आती है।

– वहीं थायरॉयड के मरीजों को भी थोड़ी– थोड़ी देर में पसीना आने की समस्या होती है।

–हाइपरहाइड्रोसिस जो कि एक खास तरह का स्किन डिसऑर्डर होता है की वजह से परेशान लोगों को भी बहुत ज्यादा मात्रा में पसीना आने लगता है।

पैरों की दुर्गंध को कैसे दूर करें

– अपनी डाइट में विटामिन वाली चीजों को शामिल करें।

– रोजाना तौर पर साफ– सफाई का पूरा ध्यान रखें।

– पैरों को दिन में 2 बार पानी से अच्छी तरह से धो लें।

– अच्छी क्वालिटी वाले कॉटन के मोजों को पहनें।

– शरीर में कम पसीना बने, इसके लिए बाजार में मौजूद कुछ प्रोडक्ट का भी इस्तेमाल किया जा सकता है, जैसे कि एंटीपर्सपिरेंट।

सर्दियों में बेसन से नहीं रूखी होगी स्किन, बस ऐसे करें इस्तेमाल

बेसन को स्किन के लिए काफी अच्छा माना जाता है। बचपन से ही हम सभी ने अपनी नानी–दादी से बेसन की अच्छाइयों के बारे में सुना है। यह आपकी स्किन को एक्सफोलिएट करने के साथ–साथ उसे अधिक ग्लोइंग भी बनाता है। हालांकि, सर्दियों में बेसन का इस्तेमाल ना करने की सलाह दी जाती है, क्योंकि इस मौसम में स्किन बहुत अधिक रूखी हो जाती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप सर्दियों में बेसन का इस्तेमाल कर सकते हैं–

नींबू के साथ ना हो कॉम्बिनेशन

जब आप ठंड के मौसम में बेसन का इस्तेमाल कर रहे हैं तो ऐसे में आपको उसके साथ नींबू को मिक्स करने से बचना चाहिए। दरअसल, नींबू आपकी स्किन को लाइटन तो करता है, लेकिन उसके साथ–साथ यह आपकी स्किन को रूखा भी बनाता है। इसलिए, जब आप ठंड में बेसन का इस्तेमाल करें तो उसके साथ नींबू को अप्लाई करने से बचें।

बहुत देर तक ना छोड़े

यह देखने में आता है कि जब हम बेसन का इस्तेमाल करते हैं तो उससे फेस पैक बनाते हैं। लेकिन आपको इसे बहुत देर तक चेहरे पर छोड़ने से बचना चाहिए। दरअसल, जब आप ऐसा करते हैं तो इससे आपकी स्किन रूखी हो जाती है। जिससे आपको स्किन में जलन, रेडनेस व इरिटेशन की शिकायत हो सकती है।

मिलाएं ये सामग्री

जब आप ठंड में बेसन का इस्तेमाल कर रहे हैं तो आप उसके साथ किस तरह के इंग्रीडिएंटस को इस्तेमाल करते हैं, इसका भी खास ध्यान रखना चाहिए। मसलन, इस मौसम में आपको बेसन के साथ दही, दूध या शहद जैसे इंग्रीडिएंट्स को मिक्स करना चाहिए। ये आपकी स्किन को हाइड्रेटिंग गुण प्रदान करते हैं। ठंड में रूखेपन से निपटने के लिए इन इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करना अच्छा माना जाता है।

करें कस्टमाइज

बेसन हर स्किन टाइप के लिए अच्छा माना जाता है। लेकिन जब आप इसे अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करें तो मौसम के साथ–साथ आपको अपनी स्किन टाइप का भी ख्याल रखना चाहिए। मसलन, अगर आपकी स्किन रूखी है तो बेसन के साथ–साथ शहद या दही को मिक्स किया जा सकता है।

हरी मिर्च का अचार बनेगा स्वाद, खरीदने से पहले ऐसे करें मिर्च को चेक

कुछ लोग हरी मिर्च खाने के इतने शौकीन होते हैं कि जब तक उन्हें खाने में इसका स्वाद ना मिले वह खाना नहीं खाते। इसके अलावा वह खाने के साथ एक्स्ट्रा हरी मिर्च भी लेते हैं। कई घरों में तो हरी मिर्च का आचार भी लोग डालते हैं लेकिन हरी मिर्च के आचार का स्वाद तब तक अच्छा नहीं आता जब तक कि उसमें डाली गई सामग्री और आचार डालने वाली मिर्च अच्छी न हो। ऐसे में यदि आप भी घर में हरी मिर्च का आचार डालने वाले हैं तो आज आपको कुछ ऐसे टिप्स बताते हैं जिनके जरिए आपका आचार और भी टेस्टी बनेगा।

हरी मिर्च का ऊपरी हिस्सा देखें

ताजी और हरी मिर्च देखने का सबसे सही तरीका यही है कि आप इसका ऊपरी हिस्सा देखें। यदि हरी मिर्च की डंडी ज्यादा सूखी हुई है तो इसका अर्थ होता है कि यह ताजी नहीं है। अगर एक दिन पहले ही हरी मिर्च पौधे से तोड़ी जाए तो डंडी ताजी होगी। कई बार दुकानदार हरी मिर्च को फ्रेश रखने के लिए डंडी को काट ही देते हैं ऐसे में इस बात का खास ध्यान रखें।

ऐसी मिर्च न खरीदें

जब भी आप मिर्च बाजार खरीदने के लिए जाएं तो देखें कि यह खराब न हो। बहुत से कम लोग इस बात को जानते हैं कि सब्जियों पर दुकानदार वैक्स कोट करते हैं ताकि वह बिल्कुल फ्रेश दिखे जैसे सेब को चमकता हुआ बनाने के लिए ऊपर वैक्स कोटिंग की जाती है वैसे ही हरी मिर्च को चमकाने के लिए भी वैक्स कोटिंग की जाती है।ऐसे में जब भी आप हरी मिर्च को खरीदने के लिए जाएं तो एक से दो बार जरुर इसे चेक करें। यदि हरी मिर्च पर वैक्स कोटिंग हुई तो उसे बिल्कुल भी न खरीदें।

मोटी और हरी लंबी मिर्च

बाजार में आपको हर तरह की हरी मिर्च दिख जाएगी जैसे छोटी, पतली, मोटी या फिर लंबी। लेकिन अचार डालने के लिए मोटी और लंबी हरी मिर्च ही सही रहेगी। पतली हरी मिर्च का आचार अच्छा नहीं आएगा। ऐसे में जब भी हरी मिर्च को खरीदने जाएं तो मोटी और देसी मिर्च ही खरीदें।

रंग देखें

अच्छी मिर्च खरीदने के लिए एक बार रंग भी जरुर देखें। क्योंकि मिर्च का रंग डार्क हरा नहीं होता बल्कि हरा और पीला मिक्स होता है। यदि आप हरे रंग की मिर्च खरीदते हैं तो आप ज्यादा हरी मिर्च न खरीदें क्योंकि इसमें डुप्लीकेट कलर का इस्तेमाल भी किया हो सकता है जो आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

फ्रेश मिर्च की ऐसे करें पहचान

फ्रेश मिर्च की पहचान उसकी सुगंध या फिर आप दंडी के साथ कर सकते हैं। महक से आप यह अंदाजा लगा सकते हैं कि मिर्च कितनी पुरानी है साथ ही मिर्च को तोड़कर उंगलियों से चेक कर सकते हैं।

फ्लाइट में भूलकर भी साथ नहीं ले जानी चाहिए ये चीजें, वरना बढ़ सकती है मुश्किल

हर किसी का फ्लाइट में सफर करने का सपना होता है। हांलाकि फ्लाइट का सफर बस या ट्रेन के मुकाबले थोड़ा महंगा जरूर होता है। वहीं फ्लाइट में सफर के दौरान आपको कई तरह के रूल्स भी फॉलो करने होते हैं। इस दौरान कदम–कदम पर चेकिंग होती है और कुछ गलत होने पर फौरन यात्री को रोक लिया जाता है। ऐसे में जो लोग फ्लाइट में सफर करते हैं, उनको इन सारे रूल्स के बारे में जानकारी होगी। लेकिन जो पहली बार सफर कर रहे हैं, उनको इन नियमों के बारे में जानकारी होनी चाहिए। आपको बता दें कि फ्लाइट में सफर करने के दौरान यात्री के पास मौजूद सामान की चेकिंग की जाती है। इनमें से कुछ सामान जो आप ले जा सकते हैं। तो वहीं कुछ सामान ऐसा भी होता है, जो आप अपने साफ फ्लाइट में लेकर नहीं जा सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी पहली बार फ्लाइट में सफर करने जा रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि फ्लाइट में सफर के दौरान आप किन चीजों को अपने साथ लेकर नहीं जा सकते हैं।

नुकीली चीज

फ्लाइट में सफर करने के दौरान साथ में ले जाने वाले कैबिन बैगेज में किसी तरह की नुकीली या फिर शॉर्प चीज नहीं रखनी चाहिए। इस दौरान आप नेल कटर, चाकू, कटर या फाइलर जैसा सामान लेकर नहीं जा सकते हैं। क्योंकि अगर आपके पास कोई नुकीली या फिर शॉर्प चीज होती है, तो चेकिंग के दौरान वह एयरपोर्ट ऑथोरिटी के पास जमा कर ली जाती है।

शराब या फिर तरल पदार्थ

बता दें कि आप फ्लाइट में दूध या अन्य लिक्विड आइटम आप 100 मिलीलीटर तक ही ले सकते हैं। वहीं अगर आप एक शहर से दूसरे शहर कोई अन्य लिक्विड आइटम या फिर शराब आदि लेकर सफर नहीं कर सकते हैं। दवाओं के अलावा आप अन्य किसी तरह का लिक्विड वाला पदार्थ नहीं रख सकते हैं।

लैपटॉप

अक्सर लोग फ्लाइट के सफर में लैपटॉप साथ लेकर जाते हैं। लेकिन आपको बता दें कि एक यात्री को सफर में सिर्फ एक ही लैपटॉप ले जाने की अनुमति होती है। हर एयरलाइन्स के अपने नियम होते हैं। तो ऐसे में सफर से पहले आप एयरलाइन्स की गाइडलाइन्स को अच्छे से पढ़ना न भूलें।

विस्फोटक चीजें

फ्लाइट में सफर करने के दौरान आप अपने बैग में गैस वाला सामान जैसे माचिस, लाइटर या अन्य विस्फोटक चीजें भूलकर भी न रखें। क्योंकि चेकिंग के दौरान इन सारे सामानों को निकाल लिया जाएगा। वहीं अन्य कोई गंभीर सामान मिलने पर आपको समस्या का भी सामना करना पड़ सकता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार गैस चूल्हा खरीदने के लिए कौन सा दिन है शुभ?

वास्तु शास्त्र हमारे जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव डालते हैं। वास्तु के नियमों का पालन करने पर घर में सकारात्मकता बनी रहती है, इसलिए वास्तु के हिसाब से घर के निर्माण करने से लेकर घर में रखी चीजों पर भी ध्यान देना चाहिए। रसोई को घर का सबसे महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है, क्योंकि यहां पर घर के लोगों के लिए खाना बनता है और ऊर्जा की भी प्राप्ति होती है।यहां पर वास्तु के नियमों का खास ध्यान रखें। बात करें गैस स्टोव या गैस चूल्हे कि तो आमतौर पर खाना पकाने के लिए आजकल हर घर पर गैस स्टोव का इस्तेमाल किया जाता है। वास्तु में गैस स्टोव के रख– रखाव, दिशा और स्थान आदि के बारे में बताया गया है। लेकिन क्या आपको पता है कि गैस चूल्हे की खरीदारी किस दिन करनी चाहिए? अगर नहीं, तो चलिए आपको बताते हैं इसके बारे में...

किस दिन खरीदें गैस चूल्हा

हिंदू धर्म में खाना पकाने वाले चूल्हे का विशेष महत्व होता है। इसलिए खाना पकाने से पहले चूल्हा पूजन का महत्व है। ऐसे में ये बहुत जरूरी है कि आप गैस स्टोव की खरीदारी भी शुभ दिनों में करें। हिंदू धर्म में गैस स्टोव की खरीदारी के लिए धनतेरस का दिन सबसे अच्छा माना जाता है। इसके अलावा आप गुरुवार के दिन गैस स्टोव खरीद सकते हैं, क्योंकि गुरुवार का दिन देव गुरु बृहस्पति से संबंधित होता है और उपकरणों की खरीदारी के लिए गुरुवार का दिन शुभ है।

इन दिनों में न करें गैस चूल्हे की खरीदारी

बुधवार के दिन गैस चूल्हा या स्टोव नहीं खरीदना चाहिए। बुधवार के दिन सिर्फ गैस चूल्हा ही नहीं बल्कि ऐसा कोई भी सामान न खरीदें जो ज्वलनशील हो। इसके साथ ही शनिवार के दिन गैस चूल्हा को खरीदने से बचें। कहा जाता है कि शनिवार के दिन ईंधन से जुड़ा सामान घर लाने से पारिवारिक समस्याएं पैदा होती है।

किस दिशा में रखें गैस चूल्हा

– गैस चूल्हा रखने के लिए रसोई के दक्षिण पूर्व कोने को सबसे अच्छा माना गया है।

– दक्षिण– पश्चिम दिशा को राहु की दिशा माना जाता है। इस दिशा में गैस– चूल्हा रखने से रिश्तों में दरार और कलह का माहौल बनता बै।

– पश्चिम दक्षिण पश्चिम दिशा में गैस चूल्हा रखने से आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है।

– उत्तर पश्चिम दिशा में रखा गैस चूल्हा आपको तरक्की के शीर्ष पर पहुंचा सकता है।

संक्षिप्त

आईसीसी-बीसीबी विवाद के बीच पाकिस्तानी पत्र से खलबली, टी 20 विश्वकप पर कही ये बात

दुबई,एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी को पत्र लिखकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के पक्ष में समर्थन जताया है, जो राजनीतिक अस्थिरता और सुरक्षा कारणों से भारत में ग्रुप-स्टेज मैच खेलने के लिए तैयार नहीं है। आईसीसी बुधवार को बोर्ड मीटिंग में इस पर अंतिम फैसला लेगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड भारत आने से इनकार कर चुका है और मैच श्रीलंका शिफ्ट करने की मांग कर रहा है, जबकि आईसीसी का रुख अब भी सख्त है। मामला राजनीतिक, क्रिकेटीय और कूटनीतिक स्तर पर बड़ा हो चुका है। टी20 विश्व कप 2026 को लेकर बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। ईएसपीएन क्रिकइनफो की रिपोर्ट के मुताबिक, टी20 वर्ल्ड कप 2026 शुरू होने से सिर्फ तीन हफ्ते पहले, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी को ईमेल लिखकर कहा है कि वह बांग्लादेश की उस मांग का समर्थन करता है जिसमें भारत में मैच खेलने पर सुरक्षा और राजनीतिक स्थिति को लेकर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह ईमेल मंगलवार को भेजा गया, यानी ठीक एक दिन पहले जब आईसीसी इस मुद्दे पर अंतिम फैसला लेने वाली है। पीसीबी ने आईसीसी बोर्ड के अन्य सदस्यों को भी ईमेल की कॉपी भेजी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईसीसी ने इस मामले पर बुधवार को बोर्ड मीटिंग बुलाई है जहां बांग्लादेश के मैचों को श्रीलंका शिफ्ट करने की बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की मांग पर चर्चा होगी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि पीसीबी की ईमेल से बैठक बुलाने का कारण वही है या नहीं, लेकिन इसका समय चर्चा में जरूर है। बीसीसीआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स को निर्देश दिया कि वह मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से रिलीज कर दे। वजह आधिकारिक रूप से साफ नहीं की गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत-बांग्लादेश के रिश्तों में हालिया राजनीतिक तनाव को कारण माना गया। इसके बाद बांग्लादेश सरकार ने एलान किया कि टीम भारत में मैच नहीं खेलेगी। साथ ही उन्होंने बांग्लादेश में आईपीएल के प्रसारण पर भी प्रतिबंध लगा दिया। इसके बाद उन्होंने आईसीसी को पत्र लिखकर अपनी मांगें बताईं। हालांकि, आईसीसी भी अपने रुख पर कायम है। बांग्लादेश में खिलाड़ियों ने बांग्लादेश प्रीमियर लीग का बहिष्कार भी किया। बीसीबी के एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा खिलाड़ियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद स्थिति और भड़की। हालांकि, उस वरिष्ठ अधिकारी को हटाने और कार्रवाई के बीसीबी के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ। लेकिन पाकिस्तान के टांग अड़ाने के बाद आईसीसी और बीसीबी के बीच अब और तूल पकड़ सकता है।

सुधा मूर्ति की निवेशकों को कड़ी चेतावनीय डीपफेक वीडियो से रहें सावधान, मेरे नाम पर हो रही है ठगी

नई दिल्ली,एजेंसी। राज्यसभा सांसद, लेखिका और सामाजिक कार्यकर्ता सुधा मूर्ति ने सोशल मीडिया पर चल रहे उनके फर्जी वीडियो को लेकर आम जनता और निवेशकों को आगाह किया है। उन्होंने साफ किया है कि इंटरनेट पर उनकी आवाज और चेहरे का इस्तेमाल करके वित्तीय योजनाओं का प्रचार करने वाले वीडियो पूरी तरह से नकली हैं और यह श्डीपफेकश तकनीक का नतीजा है। मूर्ति ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो संदेश जारी कर लोगों से अपील की है कि वे ऐसे विज्ञापनों के झांसे में न आएं और अपनी मेहनत की कमाई को सुरक्षित रखें। सुधा मूर्ति ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके 2-3 वीडियो एक साथ वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में डीपफेक तकनीक के जरिए यह दिखाया जा रहा है कि वह लोगों को निवेश की सलाह दे रही हैं। मूर्ति ने बताया, इन वीडियो में मुझे यह कहते हुए दिखाया गया है कि आप 200 डॉलर या 20,000 रुपये का निवेश करें और आपको इससे कई गुना या शायद दस गुना अधिक रिटर्न मिलेगा। यह पूरी तरह से फर्जी खबर है। सुधा मूर्ति, जो मूर्ति ट्रस्ट की चेयरपर्सन भी हैं, ने अपनी छवि के दुरुपयोग पर दुख जताया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, एक नियम के तौर पर, मैं कभी भी निवेश या पैसों से जुड़ी किसी गतिविधि पर बात नहीं करती हूं। मैं हमेशा काम, भारत की संस्कृति, महिलाओं और शिक्षा के बारे में बात करती हूं। मैं कभी भी पैसे निवेश करने और उससे रिटर्न पाने की बात नहीं करती। अपनी चेतावनी में सुधा मूर्ति ने खुलासा किया कि उनके कई जानने वाले लोग इन फर्जी वीडियो के जाल में फंसकर अपना पैसा गंवा चुके हैं। उन्होंने हाथ जोड़कर दर्शकों से विनती की कि उनके नाम पर होने वाले किसी भी वित्तीय लेनदेन पर विश्वास न करें। उन्होंने कहा, लालच के कारण अपनी मेहनत की कमाई मत खोइए, यह एक जाल है जिसमें वे आपको फंसाते हैं। कृपया ऐसा न करें। सुधा मूर्ति ने लोगों को सलाह दी है कि सोशल मीडिया पर आने वाले वित्तीय लेनदेन के संदेशों पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीपफेक के बढ़ते दौर में प्रतिष्ठित हस्तियों के नाम पर वित्तीय धोखाधड़ी एक बड़ी चुनौती बन गई है। ऐसे में सुधा मूर्ति की यह अपील उन लाखों फॉलोअर्स के लिए महत्वपूर्ण है जो उनकी विश्वसनीयता के कारण इन फर्जी स्कीमों का शिकार हो सकते थे।

कोहली की आलोचना के बाद मांजरेकर के इस नए बयान से बवाल, गंभीर का किया समर्थन

मुंबई,एजेंसी। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर पहली बार वनडे सीरीज (2-1) में हार झेलनी पड़ी, जिसके बाद आलोचना सीधे कोच गौतम गंभीर और युवा कप्तान शुभमन गिल तक पहुंच गई। इस बीच संजय मांजरेकर ने इंडिया टीम मैनेजमेंट के बचाव में आते हुए विवादित टिप्पणी की है और फैंस को भड़काने वाला बयान दिया है। मांजरेकर ने कहा कि यह सीरीज उतनी बड़ी बात नहीं है जितनी दिखाई जा रही है क्योंकि द्विपक्षीय सीरीज लंबे समय तक याद भी नहीं रहती। उनके मुताबिक, टीम को अपने खराब प्रदर्शन अभी सुधार लेने चाहिए ताकि बड़े टूर्नामेंट में गलती न हो। संजय मांजरेकर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम वीडियो में ऐसा बयान दिया जो बहस का मुद्दा बन गया। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो आज 50 ओवर क्रिकेट में असली मायने सिर्फ वर्ल्ड कप के हैं, चैंपियंस ट्रॉफी के भी नहीं। अगर आप कोशिश करें और पिछली तीन चैंपियंस ट्रॉफी विजेताओं को याद करें, तो आपको मुश्किल होगी, लेकिन 50 ओवर वर्ल्ड कप के विजेता हर कोई याद रखता है। उनके अनुसार टीम को इस समय झटके मिलते रहें तो बेहतर है, क्योंकि वर्ल्ड कप से पहले गलतियों को सुधारने का मौका मिल जाता है।

मांजरेकर ने द्विपक्षीय सीरीज के महत्व पर बड़ा सवाल उठाते हुए कहा, ये द्विपक्षीय सीरीज शेड्यूल्ड होती हैं, लेकिन असल में वार्म-अप मैच जैसी होती हैं। इन पर ज्यादा पढ़ने की जरूरत नहीं होती। सच्चाई यह है कि दो हफ्तों बाद कोई भी क्रिकेट फैन इस वनडे सीरीज के नतीजों को याद भी नहीं रखेगा। उन्होंने यह भी कहा कि किसी वर्ल्ड कप से पहले की फॉर्म से यह तय नहीं होता कि वर्ल्ड कप कौन जीतेगा। हार के बाद गौतम गंभीर पर दबाव काफी बढ़ गया है। खासकर विराट कोहली से अनबन की खबरों ने भी उनकी मुश्किलें बढ़ाई थी। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ हार ने माहौल और तनावपूर्ण कर दिया। फैंस न्यूजीलैंड से वनडे सीरीज में हार के बाद काफी नाराज दिखे थे और गंभीर की जमकर आलोचना की थी। ऐसे दौर में मांजरेकर की टिप्पणी ने आग में घी डालने का काम किया है। मांजरेकर हाल फिलहाल में कोहली को लेकर बयान देने के बाद चर्चा में आए थे। कुछ समय पहले मांजरेकर ने कोहली के टेस्ट से संन्यास लेने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि वह केवल वनडे खेलकर निराश कर रहे हैं। मांजरेकर के शब्द थे, एक टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज के लिए वनडे सबसे आसान फॉर्मेट है। विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट से चले गए और यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने पांच साल तक संघर्ष किया और टेस्ट औसत गिरता गया। यह सोशल मीडिया पर बहस का मुद्दा बन गया था। जहां कुछ लोगों ने मांजरेकर की खूब आलोचना की, वहीं कुछ ने उन्हें सही बताया था। हालांकि, टीम इंडिया की सीरीज हार के बाद फैंस ने सवाल जरूर उठाए थे कि सबसे आसान फॉर्मेट में हार गए। विराट कोहली एक बार फिर शानदार फॉर्म में दिखे थे। भारत 21 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगा। यह सीरीज सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत की टी20 विश्व कप 2026 से पहले आखिरी सीरीज होगी। ऐसे में टीम मैनेजमेंट यहां बेंच स्ट्रेंथ और प्लेइंग कॉम्बिनेशन को जांचना चाहेगा।

डेरिल मिचेल ने एक हफ्ते में ही छीनी विराट कोहली की बादशाहत, वनडे के नए नंबर-एक बल्लेबाज बने

दुबई,एजेंसी। न्यूजीलैंड की ऐतिहासिक 1-2 सीरीज जीत के बाद आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में बड़ा बदलाव आया है। विराट कोहली नंबर-एक की पोजिशन से हटकर दूसरे स्थान पर चले गए हैं, और उनके स्थान पर न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। मिचेल ने सीरीज में दो शतकों के साथ शानदार प्रदर्शन किया और वह सीरीज के सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज भी रहे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए तीन वनडे मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से हार गई और इसका सीधा असर आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग पर पड़ा है। आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में विराट कोहली नंबर-एक का स्थान गंवा बैठे हैं और उनका स्थान न्यूजीलैंड के प्रमुख बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने ले लिया है। हालांकि, कोहली का रेटिंग पॉइंट्स में इजाफा हुआ है, लेकिन मिचेल ने शानदार प्रदर्शन के कारण रैंकिंग में उनसे आगे निकल गए। मिचेल ने भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में तीन पारियों में 352 रन बनाए, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल था और उन्होंने सीरीज के प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब भी जीता। इसी शानदार प्रदर्शन के चलते उनके रेटिंग पॉइंट्स 784 से बढ़कर 845 हो गए, जिससे उन्होंने कोहली को पीछे छोड़ दिया। कोहली के रेटिंग पॉइंट्स 795 हैं। कोहली पिछले सप्ताह ही नंबर-एक बल्लेबाज बने थे। जुलाई 2021 के बाद उन्होंने यह स्थान हासिल किया था, लेकिन मिचेल का शानदार प्रदर्शन उनके पीछे आ गया और अब न्यूजीलैंड का यह बल्लेबाज आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर बैठा है। भारत के दूसरे बड़े सितारे रोहित शर्मा इस रैंकिंग में चौथे स्थान पर हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड सीरीज में तीन पारियों में सिर्फ 61 रन बनाए।

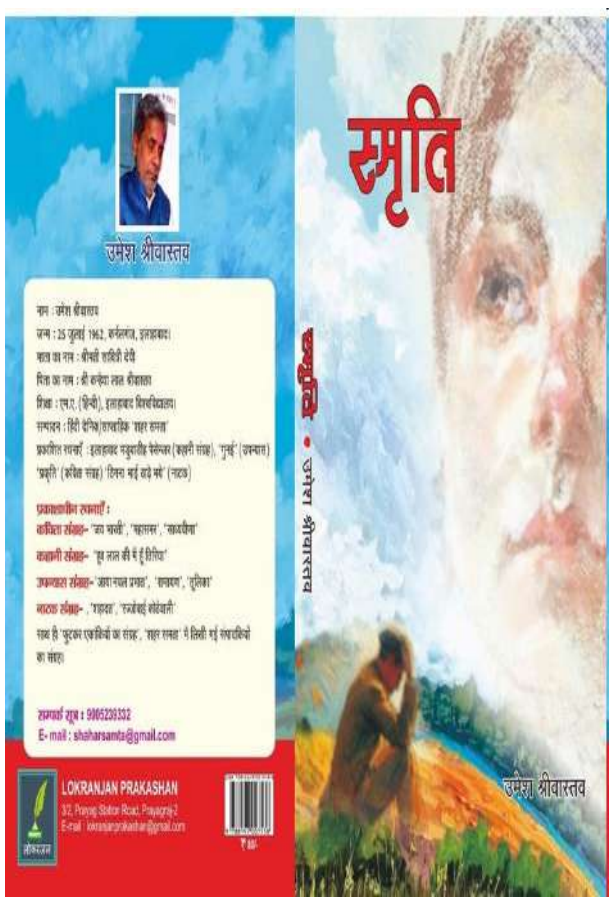

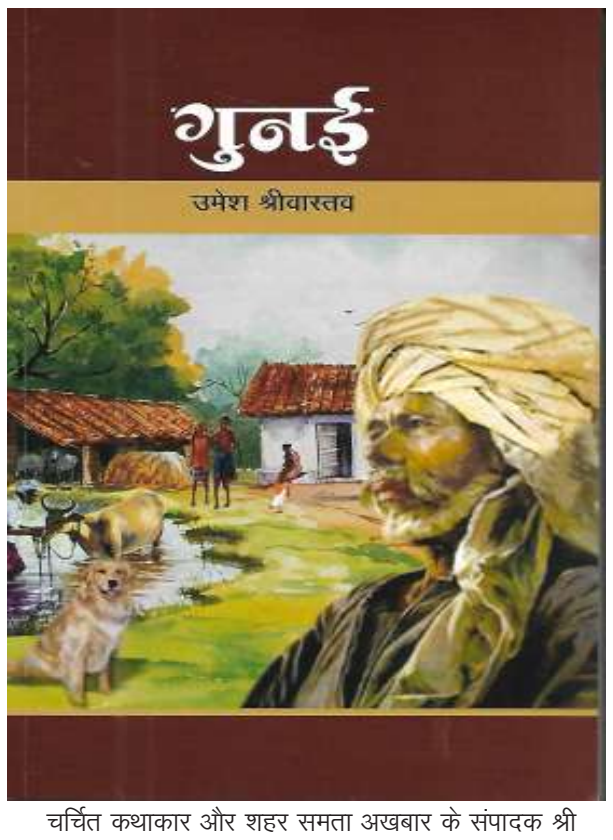

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

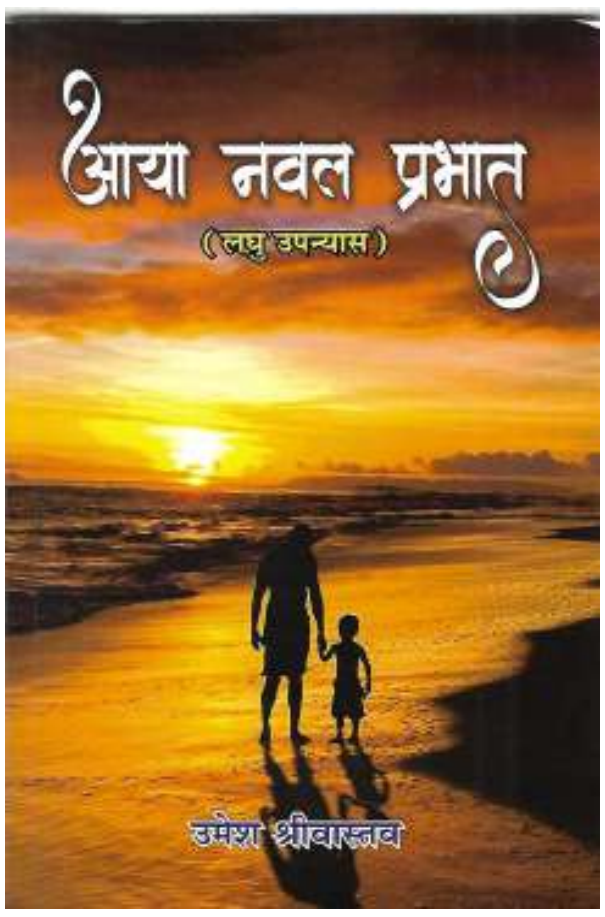

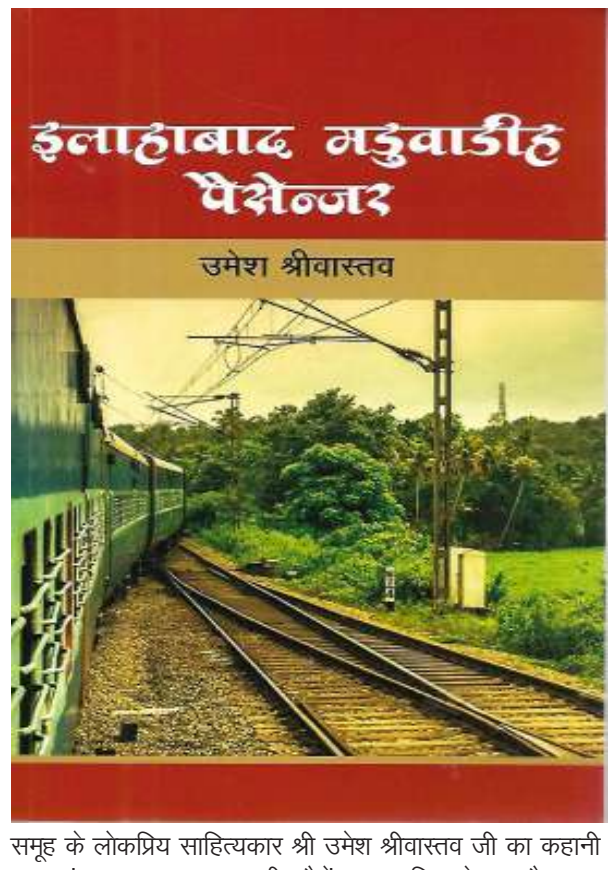

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

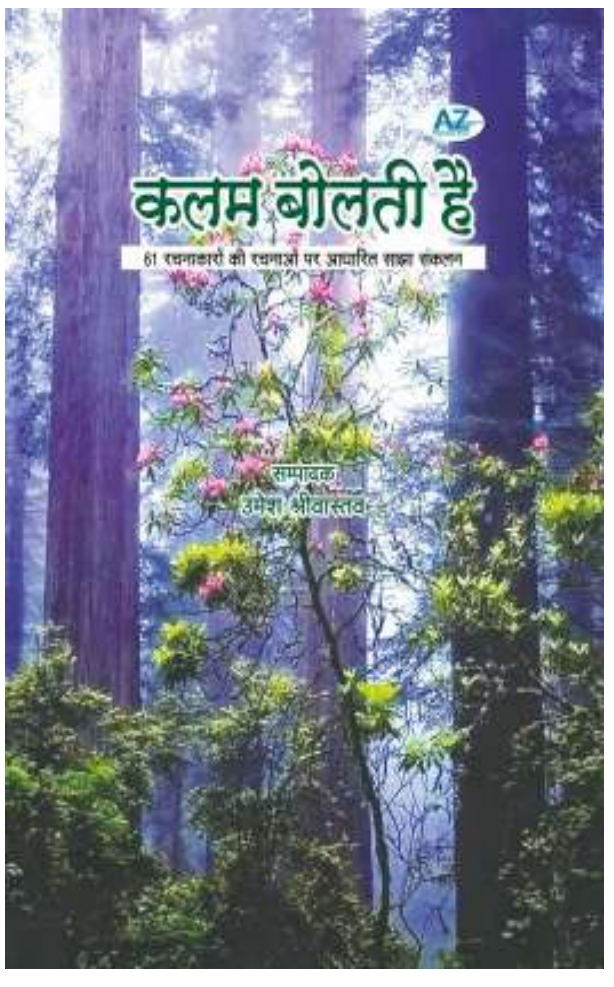

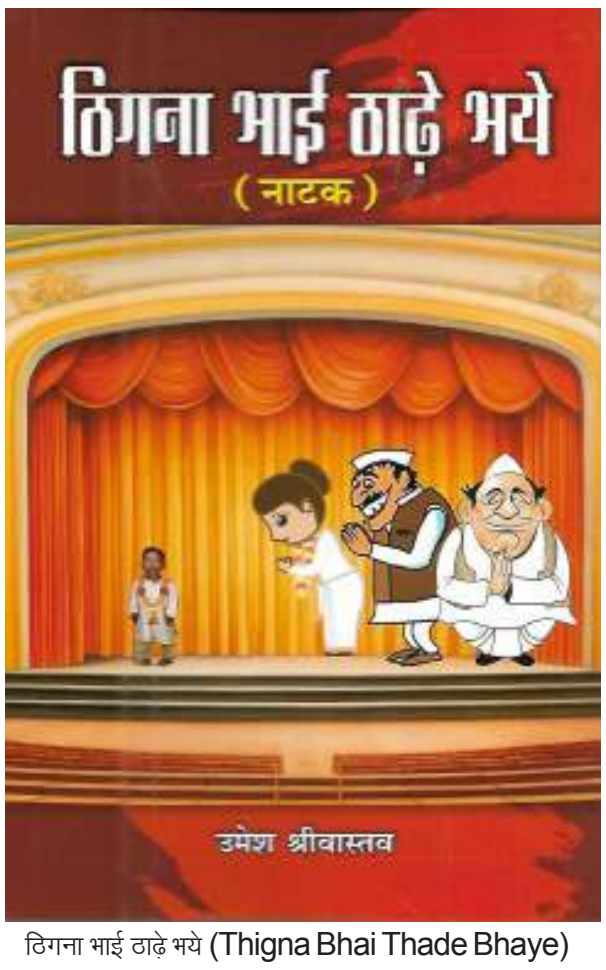

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ट्रंप के बोर्ड आम्फ पीस में शामिल होगा इस्राइल, पीएम नेतन्याहू ने दी सहमतिय क्या बदलेंगे समीकरण?

तेल अवीव,एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू

गाजा में ट्रंप की शांति योजना के तहत बनाए गए बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने की सहमति दे दी है। पूर्व में इस्राइल ने इससे नाराजगी जताई थी और इस बोर्ड के सदस्यों को लेकर आपत्ति जताई थी। इस्राइल सरकार ने कहा था कि इसके गठन को लेकर इस्राइल की सरकार से कोई चर्चा नहीं की गई। इस्राइल ने ये भी कहा था कि बोर्ड ऑफ पीस का गठन उसकी नीतियों से मेल नहीं खाता। हालांकि अब आश्चर्यजनक रूप से इस्राइल ने इसमें शामिल होने का एलान कर चौंका दिया है। अमेरिका ने शनिवार को बोर्ड ऑफ पीस में शामिल सदस्यों के नाम का एलान किया था, जिसमें तुर्किए के विदेश मंत्री, कतर सरकार के प्रतिनिधि, ब्रिटेन के पूर्व पीएम टोनी ब्लेयर और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर का नाम शामिल है। इस्राइल के सुरक्षा मंत्री ने बोर्ड ऑफ पीस के गठन को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा, श्गाजा को किसी प्रशासनिक समिति की जरूरत नहीं है बल्कि गाजा को सिर्फ हमास के आतंकियों से छुटकारा दिलाने की जरूरत है। इस्राइल के विपक्षी नेता येर लापिड ने भी बोर्ड ऑफ पीस के एलान को इस्राइल के लिए कूटनीतिक असफलता बताया था।

शिंजो आबे को गोली मारने वाले अपराधी को आजीवन कारावास, जापान की अदालत ने सुनाई सजा

टोक्यो,एजेंसी। जापान की अदालत ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की गोली मारकर हत्या करने वाले शख्स को उम्रकैद की सजा सुनाई है। शिंजो आबे की हत्या करने की बात इस शख्स ने कबूल की थी। इस मामले ने जापान की सत्तारूढ़ पार्टी और एक विवादास्पद दक्षिण कोरियाई चर्च के बीच दशकों पुराने घनिष्ठ संबंधों को उजागर किया है। जापान के सबसे प्रभावशाली राजनेताओं में शामिल शिंजो आबे प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद एक नियमित सांसद के रूप में कार्यरत थे। इसी दौरान 2022 में पश्चिमी शहर नारा में चुनाव प्रचार के दौरान उनकी हत्या कर दी गई। इस घटना ने सख्त बंदूक नियंत्रण वाले देश को स्तब्ध कर दिया। 45 वर्षीय तेत्सुया यामागामी ने अक्टूबर में शुरू हुए मुकदमे में हत्या का अपराध स्वीकार कर लिया था। अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाते हुए आजीवन कारावास की सजा का एलान किया। शूटर ने कहा कि वह एक विवादास्पद चर्च के प्रति नफरत से प्रेरित था। यामागामी ने कहा कि उसने आबे की हत्या तब की जब उसने पूर्व नेता की ओर से यूनिफिकेशन चर्च से जुड़े एक समूह को भेजा गया एक वीडियो संदेश देखा। उसने आगे कहा कि उसका उद्देश्य उस चर्च को नुकसान पहुंचाना था, जिससे वह नफरत करता था और आबे के साथ उसके संबंधों को उजागर करना था। अभियोजकों ने यामागामी के लिए आजीवन कारावास की मांग की थी। वहीं, उनके वकीलों ने चर्च के अनुयायी के बच्चे के रूप में उनकी परेशानियों का हवाला देते हुए 20 साल से अधिक की सजा न देने की मांग की थी। सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी और चर्च के बीच घनिष्ठ संबंधों के खुलासे के बाद पार्टी ने चर्च से दूरी बना ली। इसके चलते जांच शुरू हुई, जिसकी वजह से चर्च की जापानी शाखा का कर–मुक्त धार्मिक दर्जा खत्म कर दिया गया और उसे भंग करने का आदेश दिया गया।

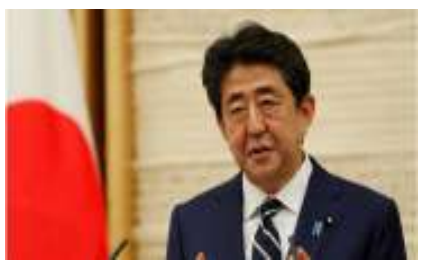

डोनाल्ड ट्रंप भाड़ में जाओ, ग्रीनलैंड पर अमेरिकी आक्रामकता पर भड़के डेनमार्क के सांसद

कोपेनहेगन,एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ग्रीनलैंड को लेकर आक्रामकता लगातार बढ़ती जा रही है। इस बीच डेनमार्क के एक सांसद का बयान सुर्खियों में आ गया है। अपने बयान में सांसद ने डोनाल्ड ट्रंप को ग्रीनलैंड से दूर रहने की सलाह दी है। यूरोपीय संसद के सदस्य एंडर्स विस्टिसन ने ट्रंप को सीधे संबोधित करते हुए कहा कि ग्रीनलैंड बिकने वाला नहीं है, इसलिए भाड़ में जाओ। डेनमार्क के सांसद एंडर्स विस्टिसन ने यूरोपीय संघ की विधायिका में एक बहस के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के लिए नाराजगी जाहिर की।

वीडियो में देखा जा सकता है कि 38 वर्षीय विस्टिसन, ट्रंप की ओर से आर्कटिक क्षेत्र को हासिल करने की कोशिशों के बीच ग्रीनलैंड में अमेरिकी हितों पर केंद्रित एक सत्र को संबोधित कर रहे थे। सांसद एंडर्स विस्टिसन ने कहा, श्प्रिय राष्ट्रपति ट्रंप, कृपया ध्यान से सुनें। ग्रीनलैंड 800 वर्षों से डेनमार्क साम्राज्य का हिस्सा रहा है। यह एक एकीकृत देश है। यह बिक्री के लिए नहीं है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

यूएस में चाइना गर्ल से कैसे मची तबाही– फेंटानिल से मौतों पर बौखलाया अमेरिका, मैक्सिको से चल रहा चीनी नशे का धंधा

नशा तस्करी के लिए वेनेजुएला पर किए गए हमले के बाद अब अमेरिका ने मैक्सिको को अपने निशाने पर लिया है। दरअसल, अमेरिका में नशे की सबसे बड़ी सप्लाई मैक्सिको से होने का दावा किया जाता है। जो नशा मैक्सिको से अमेरिका पहुंचता है, उसकी पूरी आपूर्ति चीन से होती है। इसे अमेरिकी बाजार में और मैक्सिको के नशे के कारोबार में चाइना गर्ल के नाम से जाना जाता है। इसी चाइना गर्ल की ओवरडोज से अमेरिका में मौतों का सिलसिला बढ़ गया है। सिर्फ 2023 में ही इस नशे से 75 हजार से ज्यादा अमेरिकी युवाओं की मौत हो चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मैक्सिको में मादक पदार्थों और फेंटानिल (चाइना गर्ल) के खिलाफ चलाए जाने वाले अभियानों में अमेरिकी सेना को शामिल किए जाने की मांग की है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अमेरिका मैक्सिको पर हमला करता है, तो इसका सीधा असर चीन पर पड़ना तय है। चीनी संसद की अपनी खुद की पेश की गई रिपोर्ट बताती है कि 600 अरब डॉलर का चीन से किया गया कारोबार संदिग्ध है। इसमें अवैध नशे की आपूर्ति का प्रतिशत सबसे ज्यादा है। चीन की ओर से पूरी दुनिया में सुनियोजित तरीके से फैलाए जाने वाले अवैध नशे के नेटवर्क की पूरी रिपोर्ट अमेरिका की प्रतिनिधि सभा समिति ने तैयार की है। विदेशी मामलों के जानकार और दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर अभिषेक सिंह बताते हैं कि दक्षिणी अमेरिका के हिस्सों में जिस तरीके से अमेरिका ने कार्रवाई की है, उसके पीछे कई बड़े कारणों में से एक चीन की ड्रग पैडलिंग पॉलिसी भी है। अमेरिकी खुफिया अधिकारी और अमेरिकी ट्रेजरी स्पेशल एजेंट जॉन ए. करारा ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में रिपोर्ट पेश की है। इसमें स्पष्ट रूप से कहा गया कि चीन की ओर से कई बड़ी साजिशों के तहत पूरी दुनिया को अस्थिर किया जा रहा है। इसमें नकली माल से लेकर एआई और मानव तस्करी से लेकर अवैध नशा और हथियार की तस्करी प्रमुखता से शामिल है। विदेशी मामलों के जानकारों का मानना है कि अमेरिका में आने वाली फेंटानिल मैक्सिको से आती है, जबकि मैक्सिको में तैयार होने वाली फेंटानिल का 80 फीसदी से ज्यादा केमिकल चीन से आयात होता है। जानकारों का कहना है कि यही वजह है अमेरिका ने मैक्सिको पर शिकंजा कस दिया है। भारतीय विदेश सेवा के वरिष्ठ अधिकारी रहे रिटायर्ड आलोक सिन्हा कहते हैं कि 2021 में चीनी संसद की अपनी रिपोर्ट बताती है कि उनका विदेशी व्यापार छह ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा पहुंच गया। सिंह कहते हैं इसी रिपोर्ट में अनुमान लगाकर कहा गया कि केवल 10 फीसदी व्यापार ही संदिग्ध है। इसका मतलब सीधे तौर पर यह है कि अमेरिका से 600 अरब डॉलर का संदिग्ध व्यापार पूरी दुनिया में किया जाता है। यह आंकड़ा बहुत बड़ा है। अमेरिका के ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक उनके देश में 80 फीसदी से ज्यादा अवैध मेंथा चीन से आता है। इसका रूट मैक्सिको के जरिए ही होता है। यही वजह है कि अमेरिका ने मैक्सिको पर शिकंजा और कसा है।

DEA की रिपोर्ट बताती है कि चीन के दक्षिणी राज्यों में अवैध नशे के कारोबार को बढ़ाया जाता है और उसके बाद पूरी दुनिया के हिस्से में वहां से उसकी आपूर्ति की जाती है। इसके अलावा म्यांमार से लेकर उतरी लाओस के तकरीबन 100 किलोमीटर के दायरे वाले हिस्से में नशे का बड़ा कारोबार चीन की सरपरस्ती में किया जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, म्यांमार के शान और क्वान राज्यों समेत उत्तरी लाओस को छोटा चीन के नाम से भी जाना जाता है, जहां पर सबसे ज्यादा चीनी अवैध नशे के उद्योग लगे हुए हैं। भारतीय खुफिया एजेंसी से जुड़े अधिकारी भी इस बात को मानते हैं कि दक्षिण पूर्व एशिया में होने वाली 78 फीसदी से ज्यादा मादक पदार्थों की तस्करी चीन से होती है। अमेरिका की न्याय विभाग की हाल में पेश की गई रिपोर्ट भी चीन के बड़े ड्रग कारोबार के दक्षिणी अमेरिकी देशों में पैर पसारने की बात कहती है।

विदेशी मामलों के जानकार और पूर्व राजनयिक आलोक सिन्हा कहते हैं कि अमेरिका की ही एक रिपोर्ट में मादक पदार्थों के सबसे बड़े चीनी तस्कर वोन कुओका कोई का जिक्र किया गया है। इस तस्कर को ब्रोकन टुथ के नाम से भी मैक्सिको और कोलंबिया जैसे देशों में जाना जाता है। इसके संगठन 14 के ट्राइड के माध्यम से संगठित अपराधों का पूरा सिंडिकेट दुनिया भर में चलाया जाता है। खुफिया एजेंसी के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, चीन के इस सबसे बड़े हिस्से से चलाए जाने वाले रैकेट को खत्म करने के लिए एफबीआई ने भारतीय एजेंसियों से भी मदद मांगी है। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन के बंदरगाहों से दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में कार्गो शिप के माध्यम से तस्करी का पूरा जाल फैलाया गया है। इसमें चीन के किंगदाओ, शंघाई, तियानजिन, क्वागडोंग जैसे नशे के सप्लाई के बड़े बंदरगाह चिह्नित किए गए हैं।दुनियाभर के अलग–अलग हिस्सों में बंदरगाहों के माध्यम से चीन के नशे को रोकने के लिए बड़ी रणनीति भी बनाई गई।

विदेश मंत्री अल्बारेस ने कहा– विश्वसनीय देश के साथ संबंध मजबूत करना अहम

स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बारेस ने कहा कि स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज पेरेज–कास्टेजोन जल्द भारत आएंगे। उन्हें उम्मीद है कि नरेंद्र मोदी भी स्पेन की यात्रा करेंगे। उन्होंने हिंद–प्रशांत महासागर पहल में शामिल होने, भारत–स्पेन संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने और यूरोपीय संघ–भारत मुक्त व्यापार समझौते को अहम बताया। स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बारेस ने बुधवार को कहा कि स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज पेरेज–कास्टेजोन जल्द ही भारत की यात्रा पर जाने वाले हैं। उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी स्पेन की यात्रा कर सकेंगे। आज राजधानी में विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ अपनी बैठक के दौरान अपने संबोधन में अल्बारेस ने कहा उन्होंने कहा ष्राष्ट्रपति सांचेज जल्द ही आधिकारिक दौरे पर भारत आ रहे हैं। वहीं, मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी भी स्पेन का दौरा कर सकेंगे। हम यूरोपीय संघ के माध्यम से और साथ ही बहुपक्षीय स्तर पर द्विपक्षीय रूप से काम करना जारी रखेंगे। हमें हिंद–प्रशांत महासागर पहल में शामिल होने में बहुत खुशी होगी और इसी अवसर को चिह्नित करने के लिए मैंने आपको यह पत्र भेजा है। उन्होंने कहा, हम अपने संबंधों को एक रणनीतिक सहयोग के स्तर तक उन्नत करने की अपनी इच्छा भी व्यक्त करेंगे, जो कि भारत की तरह मित्रों के साथ हमारे संबंधों का उच्चतम स्तर है।

अलबारेस ने बार्सिलोना में हाल ही में हुए ट्रेन हादसे के पीड़ितों के प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए जयशंकर को धन्यवाद भी दिया, जिसमें 40 से अधिक लोग मारे गए थे। उन्होंने कहा कि इस बेहद दुखद क्षण में स्पेन के लोगों के प्रति आपकी एकजुटता के संदेश के लिए बहुत–बहुत धन्यवाद। अलबारेस ने कहा कि संस्कृति, पर्यटन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दोहरे वर्ष का लोगो भारत और स्पेन के साझा दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने आगे कहा, ष्मुझे पता है कि दोनों देश इस वर्ष को यादगार बनाने के लिए कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला पर काम कर रहे हैं। मैं वास्तव में स्पेन में भी इसका प्रस्तुतीकरण देखने के लिए उत्सुक हूं। साथ ही, मुझे इस बात की भी बहुत खुशी है कि इसमें क्राउडसोर्सिंग पद्धति के माध्यम से जनता की भागीदारी शामिल है। उन्होंने कहा, ष्विश्व में इन बेहद जटिल समय में, स्पेन के लिए भारत जैसे विश्वसनीय देश के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना बहुत महत्वपूर्ण है, एक ऐसा देश जो अंतरराष्ट्रीय कानून में विश्वास रखता है, जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों को कायम रखता है और जो बहुपक्षवाद में विश्वास रखता है।ष्उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होना एक सकारात्मक संकेत होगा । आगे उन्होंने कहा, ष्यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर अंतिम सहमति होना एक बहुत अच्छा संकेत होगा, जिसे हम लागू होते देखना चाहते हैं। इसके लिए यही सही समय है। स्पेन और भारत दुनिया की दो सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं हैं। हमारे उद्यम इससे लाभान्वित हो रहे हैं। हम बाद में अपने व्यापारिक संबंधों को और बढ़ाने, भारत में स्पेनिश कंपनियों की उपस्थिति और स्पेन में भारतीय कंपनियों की उपस्थिति की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

कार्यवाहक पीएम सुशीला कार्की की सरकार से चार मंत्रियों का इस्तीफा, लड़ेंगे आम चुनाव

काठमांडो,एजेंसी। नेपाल में आगामी आम चुनाव से पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। कार्यवाहक प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अगुवाई वाली सरकार के चार मंत्रियों ने चुनाव लड़ने के लिए अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। नेपाल में 5 मार्च को होने वाले आम चुनाव लड़ने के लिए इन सभी ने अपना नामांकन दाखिल किया है। विज्ञान और शिक्षा मंत्री महाबीर पुन ने मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा देने के बाद म्याग्दी जिले से स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया। इससे पहले सोमवार को संचार मंत्री जगदीश खरेल और खेल मंत्री बबलू गुप्ता ने भी मंत्री पद छोड़कर प्रतिनिधि सभा का चुनाव लड़ने का फैसला किया था। जगदीश खरेल ने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की ओर से ललितपुर–2 निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन दाखिल किया है, जबकि बबलू गुप्ता ने सिराहा–1 सीट से पर्चा भरा है। इसके अलावा, ऊर्जा और जल संसाधन मंत्री कुलमान घिसिंग ने कुछ सप्ताह पहले ही इस्तीफा देकर उज्यालो नेपाल पार्टी के अध्यक्ष के रूप में राजनीति में नई भूमिका संभाली थी। घिसिंग ने मंगलवार को काठमांडू निर्वाचन क्षेत्र संख्या–3 से अपना नामांकन दाखिल किया। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल में होने वाले इस आम चुनाव में कुल एक करोड़ 89 लाख तीन हजार 689 मतदाता मतदान के पात्र हैं। इनमें 92 लाख 40 हजार 131 महिलाएं शामिल हैं।

यूएस से दावोस जा रहे ट्रंप के विमान में तकनीकी खराबी, बीच रास्ते से वापस लौटना पड़ा

दावोस,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का विमान एयर फोर्स वन मंगलवार शाम स्विट्जरलैंड के लिए रवाना होने के करीब एक घंटे बाद जॉइंट बेस एंड्रयूज लौट आया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने बताया कि उड़ान भरने के बाद विमान में मामूली विद्युत तकनीकी समस्या सामने आई, जिसके बाद एहतियातन वापस लौटने का फैसला लिया गया। विमान में मौजूद एक पत्रकार के अनुसार, टेकऑफ के कुछ देर बाद प्रेस केबिन की लाइट्स कुछ समय के लिए बंद हो गई थीं। हालांकि, उस वक्त कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया गया। उड़ान के लगभग आधे घंटे बाद पत्रकारों को सूचित किया गया कि विमान वापस लौट रहा है। एयर फोर्स वन विमान सुरक्षित रूप से वॉशिंगटन डीसी क्षेत्र में उतार लिया गया। इसके बाद राष्ट्रपति के दल ने बैकअप विमान से स्विट्जरलैंड के दावोस के लिए उड़ान भरी। यह राष्ट्रपति ट्रंप की दोबारा पद संभालने के बाद वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में पहली प्रत्यक्ष उपस्थिति है। ट्रंप आज को अमेरिकी नीतियों पर बोलने वाले हैं। रवाना होने से पहले उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कम गैस कीमतों और मजबूत अर्थव्यवस्था का जिक्र किया। फिलहाल एयर फोर्स वन के रूप में इस्तेमाल हो रहे दोनों विमान करीब चार दशक पुराने हैं। बोइंग इनके नए संस्करण तैयार कर रहा है, लेकिन यह परियोजना लगातार देरी का सामना कर रही है। ये विमान विशेष सुरक्षा तकनीक से लैस होते हैं, जिनमें रेडिएशन शील्डिंग, एंटी–मिसाइल सिस्टम और अत्याधुनिक संचार सुविधाएं शामिल हैं, ताकि राष्ट्रपति दुनिया के किसी भी कोने से सैन्य संपर्क बनाए रख सकें। गौरतलब है कि पिछले साल कतर के शाही परिवार ने ट्रंप को एक लग्जरी बोइंग 747–8 जंबो जेट उपहार में दिया था, जिसे एयर फोर्स वन बेड़े में शामिल करने को लेकर काफी चर्चा हुई थी। यह विमान फिलहाल सुरक्षा मानकों के अनुरूप बदले जाने की प्रक्रिया में है। इस बीच, लेविट ने मजाकिया अंदाज में कहा कि इस समय कतर का जेट श्काफी बेहतर विकल्प लग रहा है। डब्ल्यूईएफ की 56वीं वार्षिक बैठक 19 से 23 जनवरी 2026 के बीच दावोस में हो रही है, जिसमें 130 से ज्यादा देशों के करीब 3,000 वैश्विक नेता हिस्सा ले रहे हैं। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब दुनिया भू–राजनीतिक तनाव, आर्थिक अनिश्चितता और तेज तकनीकी बदलाव के दौर से गुजर रही है।

ट्रंप की स्विट्जरलैंड यात्रा के खिलाफ विरोध, ज्यूरिख में पुलिस–प्रदर्शनकारी आमने–सामने

ज्यूरिख,एजेंसी। स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख शहर में सोमवार डब्ल्यूईएफ और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की स्विट्जरलैंड यात्रा के विरोध में निकाली गई रैली के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। प्रदर्शनकारियों और दंगा–नियंत्रण पुलिस के बीच जोरदार झड़पें हुईं। प्रदर्शनकारी WEF को वैश्विक कॉरपोरेट हितों का प्रतीक बताते हुए इसका विरोध कर रहे थे और साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की मौजूदगी के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे।

पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, स्थिति पर काबू पा लिया गया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।